देशबन्धु

वर्ष – 8 I अंक–297 I सागर, मंगलवार, 19 दिसम्बर 2023 I पृष्ठ –8 I मूल्य – 3.00 रुपए

डंपर ने बाइक सवार तीन लोगों को मारी टक्कर, युवक की मौत — पृष्ठ 2

- मी लार्ड फैसला मिला है, पर न्याय नहीं मिला! — पृष्ठ 4
- उत्तर प्रदेश में विपक्ष का बड़ा राजनीतिक प्रदर्शन 20 दिसंबर से

- विकसित भारत संकल्प यात्रा जनहित और अंत्योदय कल्याण का प्रतीकः चतुर्वेदी — पृष्ठ 6

मांस मछली विक्रय हेतु कराना होगा पंजीयनः कलेक्टर — पृष्ठ 8

सार-समाचार

पुणे में 2 सड़क दुर्घटनाओं में 12 की मौत

पुणे, एजेंसी। पुणे क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में रविवार देर रात ट्रक, एक कार और एक ऑटोरिक्शा से जुड़ी दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने सोमवार को ये जानकारी दी। पहली घटना में, रात 11.30 बजे ठाणे में अहमदनगर से कल्याण की ओर तेज गति से जा रहे एक डिलीवरी ट्रक ने पिंपलगांव जोगा हॉलिडे रिसॉर्ट के पास विपरीत दिशा से आ रहे एक ऑटोरिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे आठ लोगों की मौत हो गई। दूसरी घटना में, पुणे-नासिक राजमार्ग पर रात 11 बजे एक ट्रक को ओवरटेक करते समय एक परिवार के चार सदस्यों की कार से टक्कर हो गई, जिससे उनकी कुचलकर मौत हो गई।

राजस्थान के मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्रियों ने धनखड़ से की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा , उप मुख्यमंत्रियों सुश्री दीया कुमारी और डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने आज उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। उप राष्ट्रपति कार्यालय ने सोमवार को ट्वीट कर कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उप मुख्यमंत्रियों सुश्री दीया कुमारी और डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भेंट की है। मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री चुने जाने के बाद इन नेताओं की श्री धनखड़ से यह पहली मुलाकात है । इसे शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है।

उत्तराखंड में शीत लहर का कहर, कई जगह माइनस में तापमान

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पूरे प्रदेश में शीत लहर का कहर देखने को मिल रहा है। पहाड़ी इलाकों के साथ मैदानी क्षेत्रों में भी लोग ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं। सुबह शाम कोहरा छाने लगा है। चारों धामों में भी तापमान माइनस में चला गया है। हालत ये हैं कि केदारनाथ में तापमान माइनस 17 डिग्री सेल्सियस तक जा रहा है। बद्रीनाथ का भी यही हाल है। वैकुंठ धाम में अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान शून्य से नीचे यानी माइनस में हैं। गंगोत्री का अधिकतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान माइनस 14 डिग्री सेल्सियस है। नैनीताल में भी ठंड का असर दिखने लगा है। क्रिसमस और नए साल के लिए अभी से लोगों का आना शुरू हो गया है। सारे होटलों में बुकिंग लगभग फुल हो चुकी है। यहां आये सैलानी ठंड का पूरा लुफ्त उठा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ विधानसभा का सत्र आज से होगा शुरू

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ की छठी विधानसभा का पहला सत्र मंगलवार 19 दिसंबर से शुरू हो रहा है। यह सत्र तीन दिवसीय होगा, जिसमें नए विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी और राज्यपाल का अभिभाषण होगा। आधिकारिक तौर पर उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक, 19 दिसंबर से शुरू होने वाला सत्र 21 दिसंबर तक चलेगा। इस सत्र में पहले दिन नवनिर्वाचित विधायक शपथ लेंगे और विधानसभा अध्यक्ष का निर्वाचन होगा। विधायकों को शपथ प्रोटेम स्पीकर रामविचार नेताम दिलाएंगे। विधानसभा सत्र के दूसरे दिन 20 दिसंबर को राज्यपाल का अभिभाषण होगा और उसे पर कृतज्ञता ज्ञापन का प्रस्ताव आएगा, साथ ही मंत्रियों के परिचय के अलावा शासकीय कार्य का संपादन होगा। सत्र के तीसरे और अंतिम दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर चर्चा के अलावा शासकीय कार्य निपटाए जाएंगे।

लद्दाख में 5.5 तीव्रता का आया भूकंप

श्रीनगर, एजेंसी। लद्दाख क्षेत्र में सोमवार को रिक्टर पैमाने पर 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को लद्दाख क्षेत्र में रिक्टर पैमाने पर 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप दोपहर 3.48 बजे आया। भूकंप का केंद्र कारगिल जिले में था। मौसम विभाग के एक बयान में कहा गया, यह पृथ्वी के अंदर 10 किलोमीटर की गहराई पर 33.41 डिग्री उत्तर में अक्षांश और 76.70 डिग्री पूर्व देशांतर पर आया। अभी तक किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

लोकसभा के 33 और राज्यसभा से 45 सांसदों पर की गई कार्रवाई

संसद की सुरक्षा को लेकर हंगामा, 78 सांसद निलंबित

- गृहमंत्री के बयान की मांग कर रहा है विपक्ष
- अब तक निलंबित सांसदो की संख्या 92 पहुंची
- निलंबित सांसदों में कांग्रेस नेता अधीर भी शमिल

नई दिल्ली, देशबन्धु। संसद की सुरक्षा में हुई चूक के बाद विपक्ष के गृहमंत्री के बयान की मांग करते हुए लगातार हंगामा हंगामा कर रहा है। दोनों सदनों में संसद की कार्यवाही नहीं चल पा रही है। संसद में सुरक्षा चूक के मसले पर लोकसभा में लगातार चौथे दिन हंगामा हुआ, जिसके चलते सोमवार को लोकसभा से कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी सहित 33 सांसद और राज्यसभा से 45 सांसदों को निलंबित कर दिया गया। इस तरह मौजूदा सत्र में अब तक दोनों से निलंबित सांसदो की संख्या बढकर 92 तक पहुंच गई है।

मालूम हो कि राज्यसभा से सोमवार को संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष के 34 सांसदों को पूरे शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित किया गया। जबकि 11 सदस्यों को विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक के लिए निलंबित किया गया है। सभापति जगदीप धनकड ने सदन में हंगामे को लेकर विपक्षी दलों के 34 सदस्यों का नाम लिया।

सांसदों का निलंबन लोकतंत्र की हत्या : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने सुरक्षा के मुद्दे पर हंगामा करने के कारण संसद के दोनों सदनों से 47 सांसदों को निलंबित कर निरंकुशता और तानाशाही का परिचय दिया है। कांग्रेस अपने आधिकारिक पेज पर ट्वीट कर कहा कि संसद की सुरक्षा महत्वपूर्ण है और इस बारे में विपक्षी दलों के नेताओं ने जब गृहमंत्री अमित शाह से संसद में बयान देने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सदन में आने की मांग की तो सरकार ने मांग पर विचार करने की बजाय यह मांग करने वाले सांसदों को ही निलंबित कर दिया। ऐसा कर निरंकुश मोदी-सरकार ने सभी लोकतांत्रिक मानदंडों को कूड़ेदान में फेंक दिया।

तानाशाही मोदी सरकार द्वारा अभी तक 92 विपक्षी सांसदों को निर्लंबित कर सभी लोकतांत्रिक प्रणालियों को कूड़ेदान में फेंक दिया गया है : **मल्लिकार्जुन खड़गे,** कांग्रेस नेता

राज्यसभा और लोकसभा में विपक्ष और सहयोगी दल घमंडिया गठबंधन के सदस्यों ने संसद में भद्दा हंगामा किया। इसे देश नहीं सहेगा : **पीयूष गोयल,** केंद्रीय मंत्री

लोकसभा से निलंबित सांसद

इसके अलावा लोकसभा से कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी, ए एंटनी, के मुरलीधरन,सुरेश कोडीकुनील, अमर सिंह,गौरव गोगोई, राजमोहन उन्नीथम, जयकुमार,अब्दुल खालिक, टीएमसी के कल्यान बनर्जी, ए पोद्दार,प्रसून बनर्जी, शताब्दी राय, एस राय,प्रतीमा मंडल,काकोली घोष,सुनील कुमार मंडल, डीएमके से ए राजा, दयानिधि मारन, गनेशन सेल्वम,सीएन अन्नादुरई, टी सुमंती, एसएस पलानिमक्कल, एस रामालिंगम, टीआर बालू,के वीरा स्वामी, आईयूएमएल से मोहम्मद बसीर, केएन कानी, आरएसपी से प्रेमचंद्रन,जदयू से कौशलेंद्र कुमार शामिल है।

राज्यसभा से निलंबित सांसद

अभी तक जिन सदस्यों को निलंबित किया गया है,उसमें कांग्रेस से प्रमोद तिवारी,जयराम रमेश, अमी याज्ञिक, नारायण जे राठवा, सैयद नासिर हुसैन, फूलो देबी नेताम, शक्तिसिंह गोहिल,केसी वेणुगोपाल,रजनी पाटिल,रंजीत रंजन, इमरान प्रतापगढ़ी, रणदीप सिंह सुरजेवाला, तृणमल कांग्रेस से सुखेंदु शेखर रे,मोहम्मद नदीमुल हक, अबीर रंजन विस्वास,शांतनु सेन, मौसम नूर, प्रकाश चिक बडाइक, समीरूल इस्लाम, राजद से मनोज कुमार झा, और फैयाज अहमद, जदयू से रामनाथ ठाकुर एवं अनिल हेगडे, माकपा से वी शिवदासन,एनसीपी से- वंदना चव्हाण,झामुमो से महुआ माझी, जोस के मणि और अजीत कुमार भुइयां व सपा से रामगोपाल यादव,जावेद अली शामिल हैं। इसके साथ ही 11 अन्य सदस्यों को भी विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक के लिए निलंबित किया गया है। इस सदस्यों में जेबी माथेर हिसाम,एल हनुमथैया,नीरज डांगी,राजमणि पटेल,कुमार केतकर,जीसी चंद्रशेखर,विनय विश्वम,संतोष कुमार पी, मोहम्मद अब्दुल्ला, जॉन ब्रिटास और एए रहीम शामिल हैं।

16वीं विधानसभा का पहला सत्र

पहले दिन 207 नवनिर्वाचित विधायकों ने ली शपथ

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश की 16वीं विधानसभा का पहला सत्र सोमवार को नवनिर्वाचित विधायकों की शपथ के साथ शुरू हुआ। सामयिक अध्यक्ष गोपाल भार्गव ने 207 नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई।

सबसे पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विधानसभा की सदस्यता की शपथ ग्रहण की। मुख्यमंत्री के बाद नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को शपथ दिलाई गई। फिर क्रमश: उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ल, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित अन्य विधायकों ने शपथ ली।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं नव निर्वाचित विधायक- नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद सिंह पटेल के अलावा भाजपा विधायक कैलाश विजयवर्गीय, कांग्रेस विधायक अजय सिंह राहुल भैया सहित आज कुल 207 विधायकों ने विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। सामयिक अध्यक्ष गोपाल भार्गव को राज्यपाल मंगुभाई पटेल पहले ही शपथ ग्रहण करा चुके हैं। इस तरह सदन के कुल 208 सदस्य अब तक शपथ ले चुके हैं। शेष 22 सदस्यों को शपथ लेना है।

शपथ लेने के बाद सभी विधायकों ने सामयिक अध्यक्ष गोपाल भार्गव का अभिनंदन किया। एक दूसरे को बधाई देने का सिलसिला पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच सदन में और सदन के बाहर भी चलता रहा।

10 विधायकों ने संस्कृत, 1 ने उर्दू और 1 ने अंग्रेजी में ली शपथ

पूर्व सांसद और नवनिर्वाचित विधायक रीति पाठक ने संस्कृत में शपथ ली। भगवानदास सबनानी, अभिलाष पांडेय और धर्मेंद्र लोधी सहित 10 विधायकों ने भी संस्कृत में शपथ ली। वहीं कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने उर्दू में शपथ ली। जबकि सैलाना विधानसभा सीट से भारत आदिवासी पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक कमलेश्वर डोडियार ने अंग्रेजी में शपथ ग्रहण की।

मंदिर की प्रतिकृति लेकर पहुंचे अभिलाष पांडेय

जबलपुर उत्तर से नवनिर्वाचित विधायक अभिलाष पांडेय राम मंदिर की प्रतिकृति लेकर सदन में पहुंचे।

आदिवासी वेशभूषा में आए विक्रांत भूरिया

झाबुआ से नवनिर्वाचित कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया आदिवासी वेशभूषा में विधानसभा पहुंचे। आदिवासियों के परंपरागत पहनावे में नजर आए। उनके अलावा विधायक संजय पाठक और अभिलाष पांडेय भी धोती कुर्ता पहनकर सदन में पहुंचे।

तोमर ने दाखिल किया नामांकन, निर्विरोध अध्यक्ष बनना तय

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता नरेन्द्र सिंह तोमर का निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष बनना तय है। श्री तोमर ने आज अपना नामांकन दाखिल किया। इस पद के लिए पार्टी ने पहले ही उनके नाम का ऐलान कर लिया था। विपक्षी दल कांग्रेस ने भी आज तोमर के समर्थन का ऐलान किया। उनके नामांकन दाखिल करते वक्त मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल के अलावा विपक्ष की ओर से पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, उपनेता हेमंत कटारे भी मौजूद थे।

विपक्ष ने भी किया समर्थन

मुख्यमंत्री ने मीडिया से की चर्चा, बोले-

प्रशासन का विकेंद्रीकरण होगा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जारी जनकल्याण और विकास की योजनाओं का क्रियान्वयन हमारी डबल इंजन की सरकार निरंतर प्रभावी रूप से कर रही है। उन्होंने विधानसभा परिसर में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में प्रदेशवासियों ने विकास के प्रति जो विश्वास व्यक्त किया है, उससे संवैधानिक संस्थाओं का मान और विश्वास बढ़ा है। हमारा प्रयास है कि प्रशासन का विकेंद्रीकरण हो, अर्थात जिले पर जिला स्तरीय इकाई, संभाग पर संभाग स्तरीय इकाई और प्रदेश स्तर पर प्रदेश स्तरीय इकाई, विकास गतिविधियों के धरातल पर क्रियान्वयन में नीचे अपना श्रेष्ठतम योगदान दें।

धार्मिक स्थलों के लिए बना रहे रोड मैप

डॉ. यादव ने कहा कि हम भगवान बाबा महाकाल के साथ-साथ ओरछा, सलकनपुर और मैहर में महालोक निर्माण के लिये रोड मैप बना रहे हैं। श्रीअन्न (मोटे अनाज) के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में व्यापक अभियान चलाया जाएगा।

मंत्रिमंडल का गठन शीघ्र

एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा समृद्ध विधायक समूह निर्वाचित होकर आया है, जन कल्याण और विकास को समर्पित मंत्रिमंडल का शीघ्र ही गठन किया जाएगा। उन्होंने प्रजातंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया से अपेक्षा की कि मीडिया प्रतिनिधि रचनात्मक व सृजनात्मक भूमिका निभाएंगे तथा विकास और प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपना सकारात्मक योगदान देंगे।

शिवराज को भाजपा अध्यक्ष ने दिल्ली बुलाया, आज आएंगे, मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

मीडिया से कहा-

पीढ़ी परिवर्तन एक स्वाभाविक प्रक्रिया

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भाजपा अध्यक्ष ने दिल्ली बुलाया है। मंगलवार को वह दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि केन्द्र में उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। विधानसभा परिसर में मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने स्वयं को संतुष्ट और आनंदित बताया। साथ ही कहा कि यह आनंद का विषय है कि पीढ़ी परिवर्तन हुआ है।

वाराणसी व पूर्वांचल को 19 हजार करोड़ से अधिक की दी सौगात

देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ताकत बनाऊंगा

संकल्प यात्रा को लोगों के लिए चलती-फिरती यूनिवर्सिटी बताया

वाराणसी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से पूरे देश को इस बात की गारंटी दी है कि वो अपनी तीसरी पारी में देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनाएंगे। लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने काशी से ही देश को आश्वस्त किया और कहा कि किसान, महिला, युवा और गरीब-वंचित ही उनके लिए चार जातियां हैं, इन चारों जातियों के शत-प्रतिशत कल्याण से ही भारत विकसित राष्ट्र बन सकेगा। सेवापुरी ब्लॉक के बरकी ग्राम सभा में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने वाराणसी और पूर्वांचल को 19 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की सौगात दी। अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री ने कई बार भोजपुरी में लोगों से संवाद भी किया। उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा को सार्वजनिक जीवन में कार्य करने वाले सभी लोगों के लिए चलती-फिरती यूनिवर्सिटी बताया।

वंदे भारत ट्रेन सहित चार रेलगाड़ियों को हरी झंडी

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर वाराणसी से नई दिल्ली के लिए दूसरी वंदे भारत ट्रेन सहित चार रेलगाड़ियों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि आज काशी समेत सारा देश विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। विकसित भारत संकल्प यात्रा हजारों गांव और हजारों शहरों में पहुंच चुकी है। इस यात्रा में गाड़ी चल रही है जिसे देशवासी मोदी की गारंटी वाली गाड़ी बता रहे हैं। उन्होंने जिक्र किया कि हमारा प्रयास है कि भारत सरकार द्वारा गरीब कल्याण के लिए जो भी योजनाएं बनाई गई हैं, उनसे कोई लाभार्थी वंचित ना रहे। पहले गरीब सरकार के पास चक्कर लगाता था अब सरकार खुद चलकर गरीबों के पास जा रही है।

केजरीवाल को ईडी ने फिर भेजा नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूछताछ के लिए समन भेजा है। ईडी ने दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उन्हें 21 दिसंबर को पेश होने के लिए कहा है।

इससे पहले 2 नवंबर को अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के लिए ईडी ने नोटिस भेजा था, लेकिन उन्होंने नोटिस को गैरकानूनी बताकर इसे वापिस लेने की मांग की थी। केजरीवाल इसी दिन मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव को लेकर रोड शो में शामिल हुए थे। अरविंद केजरीवाल को समन ऐसे समय पर भेजा गया है जब वो विपश्यना केंद्र जाने वाले हैं। अधिकारियों ने कहा कि केजरीवाल दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र समाप्त होने के एक दिन बाद 19 दिसंबर को राष्ट्रीय राजधानी से रवाना होंगे। मुख्यमंत्री लंबे समय से विपश्यना का अभ्यास कर रहे हैं और पिछले कुछ वर्षों में बेंगलुरु और जयपुर सहित कई स्थानों पर जा चुके हैं।

केंद्र ने राज्यों को सतर्कता बरतने का दिया निर्देश

कोविड के बढ़ते मामलों ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली, देशबन्धु। केंद्र सरकार ने कोविड -19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सतर्कता बरतने, कोविड मानक लागू करने और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिये हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव सुधांश पंत ने सोमवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों, प्रधान सचिवों और स्वास्थ्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा कि केरल समेत सभी कई राज्यों में कोविड-19 के मामले बढ़ने की सूचनाएं मिली हैं। केरल में कोविड-19 का नया रूप जेएन-1 का एक मामला सामने आया है। पत्र में कहा गया कि स्थानीय प्रशासन को कोविड-19 की क्षेत्रीय स्थिति को देखते हुए सतर्कता बरतने चाहिए और संबंधित प्रावधान लागू करने चाहिए। आगामी त्यौहारी मौसम को देखते हुए स्थानीय प्रशासन को विशेष ध्यान रखना चाहिए। इसके अलावा जिला स्तर किसी भी स्थिति से निपटने की तैयारी रखने चाहिए। सभी संदिग्धों को आरटी – पीसीआर की जांच की जानी चाहिए और सभी नमूनों के जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजा जाना चाहिए। पत्र में कहा गया है कि जेएन-1 की उपचार प्रक्रिया कोविड -19 के समान ही है। इसलिए सभी संबंधित दवाओं और संबंधित उपकरणों, मानव संसाधन की समुचित तैयारी जानी चाहिए। इसके बारे आम जनता के बीच व्यापक स्तर पर जागरुकता अभियान चलाया जाना चाहिए।

भारत में कोरोना से एक दिन में 5 की मौत

भारत में कोविड-19 मामलों में एक बार फिर इजाफा होने लगा है। केरल में कोविड का नया सब वैरिएंट जीएन 1 मिला है। इससे 17 दिसंबर को चार लोगों की मौत हो गई। वहीं उप्र में भी कोविड पॉजिटिव शख्स की जान चली गई। हालांकि यह पता नहीं चला है कि यह मरीज जीएन 1 वैरिएंट से संक्रमित था या नहीं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत में रविवार को 335 नए कोविड-19 मामले दर्ज किए गए और एक्टिव केस की संख्या बढ़कर 1,701 हो गई।

ओम में ही परमात्मा का संपूर्ण वास है: चिन्मयानंद बापू

सागर, देशबन्धु। पीटीसी ग्राउंड में चल रही श्री शिव महापुराण के चतुर्थ दिवस में बापू ने ओम और नम: शिवाय की उत्पत्ति की कथा का वर्णन करते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति अकेले ओम नाम का उच्चारण करें अथवा नम: शिवाय का उच्चारण करें तो भगवान की संपूर्ण नामों का वह जाप करता है और उसको परमात्मा के सच्चे स्वरूप का बोध होता है। शिव विवाह की कथा का रसपान कराते हुए सबसे पहले माता पार्वती के जन्म की कथा सुनाई और कहा कि माता पार्वती जन्म से ही सहज सुंदर थी बापू ने कहा कि आजकल हम इतना मेकअप और इतना उपचार करने के बाद भी सहज सुंदर नहीं हो पाते क्योंकि हमारा मन और चित् सुंदर नहीं होता और जिस व्यक्ति का चित् परमात्मा में लीन हो और अंदर से वह सुंदर हो उसका स्वरूप भी सहज सुंदर होता है और वंदनीय हो जाता है इसलिए बाहर की सुंदरता ठीक करने से पहले प्रत्येक जीव को अपनी आंतरिक सुंदरता बढ़ानी चाहिए और परमात्मा के श्री चरणों में अपनी भक्ति को और ज्यादा से ज्यादा बढ़ाना चाहिए पार्वती माता जन्म से ही भगवान शिव की भक्ति भक्त थी और उन्होंने शिवलिंग की पूजा बचपन से की इसलिए उन्हें भगवान भोलेनाथ पति स्वरूप में मिले, भगवान शिव सदैव प्रभु राम के चिंतन में मग्न रहते हैं लेकिन विधाता जिसके भाग्य में जो लिखते हैं वह अवश्य ही उसको प्राप्त हो जाता है और माता पार्वती की भक्ति से भगवान शिव प्रसन्न हुए। भगवान शिव जब विवाह करने गए तो उन्होंने चिता की भस्म अपने शरीर में लगाई मानो उन्होंने संदेश दिया कि हे जीव जिस शरीर को तुम इतना सुंदर बना रहे हो उस शरीर को एक दिन चिता में ही भस्म हो जाना है इसलिए जीवन का जो सत्य है उसको हमें सदैव याद रखना चाहिए। भगवान शिव जब विवाह करने गए तो नंदी पर सवार होकर गए मानो उन्होंने दुनिया को संदेश दिया कि नंदी धर्म का प्रभाहक है और भगवान शिव ने संदेश दिया कि हम किसी भी जीवन की यात्रा पर जाएं तो धर्म को ना छोड़े सदैव धर्म को लेकर ही हम किसी भी मार्ग पर आगे बढ़े इसके साथ बापू ने बहुत सुंदर व्याख्या करते हुए धूमधाम से भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह कराया। विश्व कल्याण मिशन ट्रस्ट की शाखा सागर के निर्देशन में भगवान शिव की बारात सिविल लाइन चौराहा से निकलकर कथा प्रांगण तक लाई गई जिसमें हजारों की संख्या में लोग बाराती बने और बारात में डमरू दल और भूत पाटो की टोली बुलाई गई जो आकर्षण का केंद्र रही भगवान भोलेनाथ की सुंदर झांकी सभी का मन मोह रही थी।

अभिनव सनातन ब्राह्मण सभा के विजय तिवारी अध्यक्ष नियुक्त

सागर, देशबन्धु। अभिनव सनातन ब्राह्मण सभा सागर की 2023 की वार्षिक बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता विजय पाठक ने की। बैठक में वर्ष 2023 के सभी कार्यक्रमों की समीक्षा की गई और 2024 की भावी कार्य योजना पर भी विचार किया गया। सभा के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं संयोजक विजय तिवारी को सर्वसम्मति से अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अध्यक्ष की नियुक्ति का प्रस्ताव पं.पुरुषोत्तम उपाध्याय और विजय पाठक ने रखा जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। बैठक में मुरलीधर शुक्ला, महेश दुबे, डॉ. ऋषभ भारद्वाज, अनुपम बोहरे आदि उपस्थित थे।

प्रशासन ने मस्जिद और धार्मिक स्थलों से हटाये लाउड स्पीकर

बीना, देशबन्धु। बीना, खिमलासा सहित अन्य जगहों पर प्रशासन ने धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर अलग कर दिए हैं। लाउडस्पीकर को लेकर सीएम का आदेश आने के बाद एसडीएम देवेन्द्र प्रताप सिंह ने धर्मगुरुओं के साथ बैठक की और आदेश से अवगत कराया। बैठक में नायब तहसीलदार हेमराज मेहर, नपा उपयंत्री सत्यम देवलिया, एसआइ कमल सिंह सहित जनपद के अधिकारी उपस्थित रहे। ग्रामीण क्षेत्र से लाउडस्पीकर हटवाने का कार्य जनपद पंचायत द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी जिन धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर लगे हुए हैं, उन्हें हटाना होगा और फिर अनुमति लेकर लगाये जाएंगे। इसके बाद प्रशासन ने बीना की नई सब्जी मंडी के पास मस्जिद से लाउडस्पीकर अलग किये। इसी के साथ स्टेशन रोड पर प्राचीन हनुमान मंदिर, कटरा मंदिर से भी लाउडस्पीकर अलग किये। इस दौरान नायब तहसीलदार, थाना प्रभारी बीएस ठाकुर सहित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। बीना थाना प्रभारी भरत सिंह ठाकुर ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश हैं कि रात 10 से सुबह 6 बजे तक साउंड सिस्टम का प्रयोग नहीं किया जाये। सीएम ने भी आदेश दिया है। इसी को लेकर देर रात तेज आवाज में लाउडस्पीकर और डीजे बजाने वालों पर कार्यवाही की जाएगी। सभी लोगों को नियम का पालन अवश्य करना चाहिए।

डंपर ने बाइक सवार तीन लोगों को मारी टक्कर, युवक की मौत

खुरई, देशबन्धु। खुरई-पठारी रोड पर डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। इसमें युवक की मौत को गई। एक बच्ची और महिला घायल हुई है। यह दुर्घटना खजरा हरचंद गांव के पास स्थित सिंघई स्टोन क्रेशर के सामने हुई। घटना के बाद गुस्सा, परिजन और ग्रामीण हंगामा कर दिया। क्रेशर परिसर में रखे अन्य डंपरों और मशीनों में तोड़फोड़ कर दी। मुख्य रोड पर जाम लगा दिया। बाइक चालक आदर्श पिता निर्भय कुर्मी 18 निवासी कठेली थाना खुरई देहात अपनी भाभी रानी पति शुभम कुर्मी 25 और 9 माह की भतीजी के साथ बाइक एमपी 15 एनडी 0792 पर रहा था। उसे डंपर एमपी 15 जी 5211 ने टक्कर मार दी। मृतक के चाचा मोहर कुर्मी ने बताया कि आदर्श कठेली से अपनी भाभी और भतीजी को लेकर दवाई लेने पठारी जा रहा था। डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। उसकी भाभी और भतीजी घायल हैं। उन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर हालत में भाभी को जिला अस्पताल सागर रेफर कर दिया है। घटना के बाद सूचना मिलने के बाद मृतक के परिजन, शहरी और देहात थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। घटना से गुस्सा परिजनों और ग्रामीणों ने घटना स्थल पर ही जाम लगा दिया। इससे सड़क के दोनों ओर दो पहिया और चार पहिया वाहनों की लंबी कतार लग गई। खुरई से भोपाल जा रही बस जाम में फंसी गई और पठारी से आने वाली बस भी जाम में फंसी। टक्कर लगने से आदर्श का सिर फट गया। आदर्श के दादा तोरण सिंह कुर्मी ने बताया ने कि घटना के बाद डंपर चालक ने सबूत मिटाने का प्रयास किया। उसने डंपर को सिंघई स्टोन क्रेशर की खदान में छिपा दिया। डंपर में लगे खून के धब्बे मिटाने लगा। दो जगह मांस के टुकड़े लगे रह गए। टक्कर के बाद स्टोन क्रेशर पर काम करने वाले सभी कर्मचारी भाग गए। घटना स्थल के ठीक सामने स्टोन क्रेशर के परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। परिजन फुटेज दिखाने की मांग कर रहे थे। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा बनाकर क्रेशर ऑफिस का ताला तोड़कर सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर जब्त कर लिया। हंगामे और जाम की सूचना मिलते ही एसडीओपी सचिन परते, शहरी थाना प्रभारी शशि विश्वकर्मा, देहात थाना प्रभारी गौरव तिवारी, तहसीलदार यशवर्धन सिंह, नायब तहसीलदार रमेश कोष्टी भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे। परिजन लगातार मांग कर रहे थे कि घटना करने वाला डंपर और उसकी मदद करने वाली पोखलीन मशीन को तुरंत जब्त किया जाये।

डॉ. हरीसिंह गौर को भारत रत्न दिलाने पोस्टकार्ड महाअभियान शुरू

पहले दिन में 5 सौ से अधिक लिखे गए पोस्टकार्ड

सागर, देशबन्धु। पुलिस विभाग एवं पुलिस परिवार कल्याण संध ने बुन्देलखंड के दानवीर डॉ. हरीसिंह गौर को भारत रत्न दिलाने के लिए सोमवार को पोस्टकार्ड महाअभियान शुरू किया। पहले भी कुछ इसी तरह का अभियान चलाया लेकिन बंद कर देना पडा लेकिन संगठन ने ठाना है कि बुन्देलखंड के दानवीर डॉ. हरीसिंह गौर को जब तक भारत रत्न नहीं दिला देता जब तक इस बार महाअभियान नहीं रूकेगा और महाअभियान की जिसने भी सुना वह स्वयं आकर पोस्टकार्ड भरकर पोस्टकार्ड में स्वयं का टिकिट लगाकर सोमवार को इस महाअभियान में भाग लिया शुरुआत के दिन ही 500 से अधिक संगठन के पदाधिकारियों के साथ अन्य संगठन छात्र-छात्राओं ने पोस्टकार्ड भरे और आगे भी इस महाअभियान में सहयोग करने का आश्वासन दिया। महाअभियान में संभाग अध्यक्ष बद्री प्रसाद भारद्वाज, नगर अध्यक्ष सुरेन्द्र नायक, महिला तहसील अध्यक्ष निधी जैन, अनिल पाराशर, मोहनलाल राठौर, राजेन्द्र सिंह ठाकुर, सचिन कोरी, संतोष प्रजापति, विहिप नगर अध्यक्ष कपिल स्वामी आदि ने बडी संख्या में पोस्टकार्ड महाअभियान में भाग लिया।

सीएमओ ने मांस, मछली विक्रेताओं के लिए स्थान चिंहित किए

बिलहरा, देशबन्धु। शासन द्वारा खुले में मांस, मछली एवं अंडा के विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसी तहत नगर परिषद बिलहरा सीएमओ राजेश खटीक द्वारा सोमवार को अंडा, मांस, मछली विक्रेताओं के लिए नियत स्थान चिंहित किया, साथ ही मांस विक्रेताओं के साथ चर्चा कर उन्हे खुले मे मीट दुकान न लगाने की हिदायत दी और चिंहित स्थान दिखाया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि रमेश चढ़ार, सब इंजीनियर सुनील कुमार खेमरिया, पार्षद एवं निकाय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश के चलते मारपीट

खुरई, देशबन्धु। देहात क्षेत्र के बम्होरी नवाब गांव में पुरानी रंजिश के चलते तीन आरोपियों ने पिता और बेटे के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। घायल को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। गब्बर सिंह पिता हरिराम सिंह यादव 42 निवासी बम्होरी नवाब और उनके बेटे अरुण यादव के साथ पुरानी बुराई को लेकर आरोपी प्रीतम पटेल, फेरन पटेल और बालमुकुंद पटेल ने गाली गलौज करना शुरू कर दिया। जब युवक ने मना किया तो तीनों आरोपियों ने उसके साथ लाठियों और डंडों से मारपीट कर उसे घायल कर दिया। जब बेटा अपने पिता को बचाने आया तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट कर दी। पिता और बेटे दोनों को सिर, हाथ, पैर और कई अन्य जगहों पर चोटें आई हैं। घायल गब्बर सिंह यादव ने बताया कि वह और उसका बेटा ऑटो की किश्त जमा करने के लिए खुरई आ रहे थे। रास्ते में पुरानी रंजिश को लेकर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर दी। जब बीच बचाव करने आये उसके बेटे के साथ भी आरोपियों ने मारपीट कर दी। घायल गब्बर सिंह के भाई राजेंद्र सिंह यादव की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

महाविद्यालय में सुशासन एवं सुरक्षा को लेकर परिचर्चा

राहतगढ़। शासकीय महाविद्यालय में विकसित भारत 2047 आइडिया पोर्टल पर आधारित सुशासन एवं सुरक्षा विषय पर परिचर्चा प्राचार्य चंदनसिंह सागर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. भरत पटेल ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विकसित भारत और सशक्त भारत की समझ विद्यार्थियों को देना है। डॉ. ऋतु व्यास ने बताया कि राष्ट्र में न्यायपालिका, व्यवस्थापिका और कार्यपालिका की एकरूपता का होना आवश्यक है। डॉ. श्रीकांत रिंगे ने संचालन करते हुए कहा कि अंतिम छोर तक के गरीब व्यक्ति तक न्यायोचित व्यवस्था होना चाहिए। डॉ. अपर्णा दुबे ने रेखांकित किया कि दंड का प्रबंधन भी इसी में आता है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने प्रश्नों को पूछकर उसका समाधान भी लिया।

प्रथम बार हो रहा कल्पद्रुम महामंडल विधान 2 सौ इंद्र इंद्राणी कर रहे भगवान की आराधना

सागर, देशबन्धु। विजय टॉकीज चौराहा स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बडकुल मंदिर में चल रहे कल्पद्रुम महामंडल विधान के दूसरे दिन मुनिश्री सुदत्तसागर ने समोशरण से धर्म सभा को उपदेश देते हुए कहा आपस के बैर भाव मिटाने एवं प्राणी मात्र के प्रति मित्रता का पाठ सिखाने वाली तीर्थंकर की धर्म उपदेश देने वाली सभा को समोशरण कहते हैं। जहां सभी जीवो को शरण मिलती है। 8 भूमि और 12 सभाओं वाले समोशरण में तीर्थंकर प्रभु की दिव्य ध्वनि दिन में चार बार खिरती है, जो देव, मनुष्य, पशु पक्षी सभी जीवों को अपनी-अपनी भाषा के अनुसार समझ में आती है। मुनि श्री ने कहा किसी से कन्नी काटकर मत बैठिए, अगर आप प्रेम से कर बात कर लेंगे तो आपकी दौलत कम नहीं होगी, प्रेम परिवार का फेविकाल है, प्रेम समाज की आत्मा है। क्षुल्लक श्री चंद्रदत्त सागर ने कहा स्वयं के कर्तव्यों को निभाकर जरूरतमंद लोगों के लिए सहयोग का हाथ बढ़ाओ। समाज, परिवार में एक दूसरे के प्रति सहयोगी और सकारात्मक बने। अपनी खुशी के लिए तो हर कोई करता है अगर आप दूसरों की खुशी के लिए सेवा का कार्य करते हैं तो आपकी झोली में अनेक खुशियां अपने आप ही आ जाएगी। अपनी जिंदगी को सरल बनाये। जो लकड़ी सीधी होती है वह झंडे में लगाने के काम आती है और जो टेढ़ी-मेढ़ी लकड़ी होती है, वह मात्र चूल्हे में जलाई जाती है।

नगर में क्लीन टॉयलेट अभियान चलाया

शाहपुर, देशबन्धु। नगर परिषद शाहपुर द्वारा नगर में स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत क्लीन टॉयलेट अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत नगर के विभिन्न वार्डों निकाय के कर्मचारियों एवं टीम रुरबन कंसल्टेंसी द्वारा सभी नागरिकों को शौचालय में सफाई और जागरूकता के बारे बताया एवं यूरिनल का प्रयोग किए जाने के लिए नागरिकों को प्रेरित करने का प्रयास किया।

लोक स्थल पर अवैध रूप से तलवार रखने वाले आरोपी को एक वर्ष का सश्रम कारावास

सागर, देशबन्धु। लोक स्थल पर अवैध रूप से तलवार रखने वाले आरोपी प्रदीप पटैल को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जिला सागर उर्मिला खेड़कर की अदालत ने दोषी करार देते हुये आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)(बी) के तहत 01 वर्ष सश्रम कारावास एवं एक हजार रूपये अर्थदण्ड की सजा से दंडित किया। मामले की पैरवी प्रभारी उप संचालक अभियोजन धर्मेन्द्र सिंह तारन के मार्गदर्शन में सहायक जिला अभियोजन अधिकारी सचिन गुप्ता ने की। घटना इस प्रकार है कि थाना मोतीनगर को 25 अक्टूबर 2018 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति प्लेट फार्म नं. 2 के पास आम रोड पर अवैध रूप से तलवार लिये खड़ा है सूचना पर हमराह स्टाफ के साथ मुखबिर के बताये स्थान पर पहुंचने पर एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे हमराह स्टाफ की मदद से पकड़ा गया उक्त व्यक्ति से नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम प्रदीप पटैल पिता श्यामलाल पटैल होना बताया उक्त व्यक्ति की तलाशी लेने पर वह कमर में बायें तरफ एक लोहे की तलवारनुमा छुरी खोसे था उक्त तलवारनुमा छुरी रखने के संबंध में लाइसेंस पूछे जाने पर न होना बताया जिस पर से उक्त आरोपी को हिरासत में लिया गया। थाने पर प्रकरण पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया, विवेचना उपरांत चालान न्यायालय में पेश किया।

खुले में मांस, मछली विक्रय करने वालों के खिलाफ कार्यवाही के लिए दल गठित

सागर, देशबन्धु। शासन के आदेश अनुसार खुले में मांस और मछली का विक्रय प्रतिबंधित कर दिया गया है जिसके परिणाम स्वरूप सार्वजनिक रूप से मांस मछली का विक्रय एवं प्रदर्शन नहीं किया जा सकता है। सभी विक्रेताओं को दुकानो पर अपारदर्शी कांच लगाना या दुकान को कबर करना जरूरी है बिना लाइसेंस के कोई भी विक्रेता मांस, मछली का विक्रय नहीं कर सकता। निगमायुक्त चन्द्रशेखर शुक्ला द्वारा खुले में मांस, मछली विक्रय करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करने हेतु दल गठित किया है जिसके प्रभारी सईदउद्दीन कुरैशी होंगे तथा संजय सोनी सहायक प्रभारी तथा संबंधित जोन के प्रभारी, संबंधित वार्ड के उप स्वास्थ्य पर्यवेक्षक और संबंधित वार्ड के कर संग्राहक इस दल में शामिल रहेंगे। यह दल मप्र नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 की धारा 253, 254 तथा 255 के प्रावधानों के विपरीत हो रहे मांस एवं मछली विक्रय को तत्काल प्रभाव से बंद कराएंगे तथा प्रतिदिन की कार्यवाही का प्रतिवेदन कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे, यह कार्यवाही अवकाश के दिनों में भी जारी रहेगी। नगर निगम कार्यालय कंप्यूटर कक्ष में सिंगल विंडो प्रारंभ की गई है जिसमे मांस, मछली के लाइसेंस लेने हेतु विक्रेता आवेदन जमा कर सकते हैं।

प्रभारी समिति प्रबंधक के पद पर बहाली के आदेश पक्ष में कराने की एवज में रिश्वत लेने वाले आरोपी को 4 वर्ष का सश्रम कारावास

सागर, देशबन्धु। प्रभारी समिति प्रबंधक के पद पर बहाली का आदेश पक्ष में कराने के ऐवज में रिश्वत लेने वाले आरोपी प्रकाश कोरी को विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, सागर आलोक मिश्रा की अदालत ने दोषी करार देते हुये भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा.7 के अंतर्गत 4 वर्ष का सश्रम कारावास एवं दस हजार रूपये अर्थदण्ड की सजा से दंडित किया है। मामले की पैरवी प्रभारी उप संचालक अभियोजन धर्मेन्द्र सिंह तारन के मार्गदर्शन में सहायक जिला अभियोजन अधिकारी लक्ष्मी प्रसाद कुर्मी ने की। घटना इस प्रकार है कि 5 नवम्बर 19 को आवेदक रामअवतार पटना ने पुलिस अधीक्षक, लोकायुक्त कार्यालय सागर को एक लिखित शिकायत आवेदन दिया कि सेवा सहकारी समिति लखेरी जिला छतरपुर में पदस्थ विक्रेता वर्तमान प्रभारी समिति प्रबंधक रामदयाल पटेल ने 21 दिसम्बर 16 को संयुक्त पंजीयक सहकारिता सागर संभाग, सागर के न्यायालय में उसके प्रभारी समिति प्रबंधक के पद पर बहाली के आदेश के विरूद्ध अपील की थी। संयुक्त पंजीयक सहकारिता कार्यालय सागर में शीघ्रलेखक ग्रेड. 3 के पद पर पदस्थ अभियुक्त प्रकाश कोरी ने उक्त अपील में उसके पक्ष में आदेश पारित कराने हेतु 50,000 रू. रिश्वत की मांग की है, वह अभियुक्त को रिश्वत नहीं देना चाहता, बल्कि रंगे हाथो पकड़वाना चाहता है, अत: कार्यवाही की जाए। तत्कालीन पुलिस अधीक्षक, वि.पु.स्था. लोकायुक्त ने उक्त आवेदन पर अग्रिम कार्यवाही हेतु उप.पुलिस अधीक्षक राजेश खेड़े को अधिकृत किया। आवेदन में वर्णित तथ्यों के सत्यापन हेतु एक डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर दिया गया इसके संचालन का तरीका बताया, अभियुक्त से रिश्वत मांग वार्ता रिकॉर्ड करने हेतु निर्देशित किया तत्पश्चात् आवेदक द्वारा मांग वार्ता रिकार्ड की गई एवं अन्य तकनीकि कार्यवाहियां की गई एवं ट्रेप कार्यवाही आयोजित की गई। नियत दिनांक को आवेदक द्वारा अभियुक्त को राशि दी गई व आवेदक का इशारा मिलने पर ट्रेप दल ने मौके पर पहुंचकर अभियुक्त प्रकाश कोरी को घेरे में लिया, परिचय आदान प्रदान के बाद अभियुक्त से रिश्वत राशि के सबंध में पूछा तो अभियुक्त ने 50,000 रू. रिश्वत राशि आवेदक से अपने हाथ में लेकर पहनी हुई जींस पेंट की दाहिनी जेब में रख लेना बताया, मौके पर लिखी पढ़ी की व्यवस्था न होने मौके पर अभियुक्त को शासकीय वाहन से पुलिस थाना ले जाकर अग्रिम कार्यवाही की गई। उक्त आधार पर प्रकरण पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया। विवेचना उपरांत चालान न्यायालय में पेश किया।

मोटरसाईकिलों भिड़ी, महिला की मौत

बांदरी, देशबन्धु। पिठोरिया के पास बाइकों की भिड़ंत में मां की मौत हो गई। वहीं बेटा घायल हुआ है। मामले की शिकायत पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। वहीं मर्ग कायम कर जांच में लिया। मर्ग जांच करते हुए पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस के अनुसार भीम यादव निवासी ग्राम आगासिर्स अपनी मां कृष्णाबाई यादव के साथ रिश्तेदारी में बाइक से जा रहा था। भीम बाइक चला रहा था और मां कृष्णाबाई पीछे बैठी थी। इसी दौरान ग्राम पिठोरिया के पास तलैया के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही भीम, कृष्णाबाई बाइक समेत सड़क पर गिर गए। घटना में कृष्णाबाई को गंभीर चोटे आईं। घटना देख पीछे आ रहे परिचितों ने तत्काल घायल मां-बेटे को बांदरी अस्पताल पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को रेफर कर दिया गया। परिचित घायलों को मालथौन अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने चेकअप करने के बाद कृष्णाबाई को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाकर पीएम कराया। वहीं मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया। घायल भीम और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान लिए। जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने बाइक क्रमांक एमपी 15 एमपी 0355 के चालक के खिलाफ धारा 304ए के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

धूमधाम से निकली भगवान श्रीराम की महाबारात

कई प्रदेशों से आए कलाकारों ने किया नृत्य

बीना, देशबन्धु। खिरिया वार्ड में स्थित श्रीरामनाम सिद्ध पीठ से विवाह पंचमी पर भगवान श्रीराम की चक्रवर्ती ऐतिहासिक महा बारात शुरू हुई। महाबारात करीब 2 किलोमीटर लंबी थी इसमें करीब डेढ़ से दो लाख श्रद्धालु शामिल हुए। बीना शहर राम मय हो गया है। महाबारात में करीब 50 से ज्यादा झाकियां शामिल थी। कई प्रदेशों के कलाकार अपना करतब दिखा रहे थे। अगवानन्ह जब दीखि बराता, उर आनंदु पुलक भर गाता। गोस्वामी तुलसी दास ने श्रीरामचरितमानस में इस चौपाई से यह बताने का प्रयास किया है कि रामबारात का स्वागत करने के लिए खड़े लोगों ने जब बारात को आते देखा तो वे आनंद और रोमांच से भर गए। ऐसा ही आनंद और रोमांच बीना में निकाली गई पारंपरिक रामबारात में शहर के लोगों में देखने को मिला। स्टेशन रोड के हर घर की बालकनी, छतों, फुथपाथ, डिवाइडर पर लोग ही लोग बड़ी संख्या में नजर आ रहे हैं। हर कोई बारात में चल रहे पालकी में विराजमान भगवान श्रीराम का दर्शन और पूजन करने को लालायित दिखे। भगवान श्रीराम की महाबारात जिसमें राजस्थान, पंजाब, महाराष्ट्र, असम, कर्नाटक सहित मप्र के कलाकार नृत्य बैंड आदि की प्रस्तुति दे रहे थे। इसके साथ ही घोड़े, नृत्य करने वाला घोड़ा, कई ऊंट, 25 बग्गी शामिल थी। बारात में महाराजा दशरथ, मुनि वशिष्ठ, विश्वामित्र, हनुमान, देवी, महाकाली, राधा-कृष्ण, लक्ष्मी-नारायण, महादेव-पार्वती, भगवान गणेश सहित 50 से अधिक झांकियां भी सजाई गई थीं। बारात मे बैंडों की धुन पर लोग नाचते गाते चल रहे हैं। महाबारात का आयोजन श्रीरामनाम महाराज पं. हरदेव प्रसाद टोंटे के सानिध्य में किया। बीच में भगवान की पालकी चल रही है और पीछे रथ पर गुरू महाराज पं. हरदेव प्रसाद टोंटे महाराज विराजमान थे। बारात का जगह-जगह स्वागत किया जा रहा है। श्रद्धालु कीर्तन करते हुए चल रहे थे और तोप से बारातियों पर फूलों की बरसात की जा रही थी। महाबारात शहर के खिरिया वार्ड स्थित मंदिर से शुरू हुई जो श्रीरामनाम सिद्ध पीठ पर संपन्न हुई। भगवान की महाबारात करीब 4 किलोमीटर शहर का भ्रमण 9 से 10 घंटे मे पूरा किया। रात करीब 10 बजे भगवान की बारात श्रीरामनाम सिद्ध पीठ पर पहुंची। इसके बाद मंदिर में रीति रिवाज से भगवान श्रीराम और जानकी का विवाह संपन्न हुआ।

सार समाचार

31 को पेंशनर्स डे पर होगा सम्मान समारोह

छतरपुर, देशबन्धु। 31 दिसंबर को पेंशनर्स डे मनाया जायेगा। इस दौरान शहर में किशोर सागर तालाब के पास स्थित आडीटोरियम में दोपहर 12 बजे से एक कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। पेंशनर्स एसोसियेशन के शंकरलाल सोनी ने बताया कि इस कार्यक्रम में कलेक्टर संदीप जीआर और नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का अभिनन्दन किया जायेगा। इसके बाद दोपहर ढाई बजे से भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार शर्मा के मुख्य आतिथ्य में वरिष्ठ जन का सम्मान किया जायेगा। साथ ही स्टेट बैंक के अधिकारियों के द्वारा पेंशनर्स को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए बैंक की समस्त लाभप्रद योजनाओं के बारे में जानकारी देंगे। साथ ही आन लाइन से होने वाली धोखाधड़ी और उससे बचाव के बारे में सचेत किया जायेगा।

बदमाशों ने युवक को नशीला पदार्थ खिलाकर ट्रेक्टर लूटा

छतरपुर, देशबन्धु। राजनगर थाने के ग्राम पथरिया निवासी एक युवक को ट्रेक्टर भाडे पर ले जाने का हवाला देकर बदमाश नशीला पदार्थ खिलाकर उसका ट्रेक्टर लूट ले गये हैं। पीड़ित तुल्ली पुत्र कटुआ प्रजापति उम्र 35 साल ग्राम पथरिया ने बताया उसके पास खेती के लिये नीले रंग का पावरट्रैक ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 16 एसी 6965 था। जब वह घोड़ापुरवा तिगैला पर एक खेत में जुताई कर रहा था, तभी वहां तीन अज्ञात लोग बाइक से आये और उसका ट्रेक्टर किराये पर ले जाने की बात करने लगे। तुल्ली ने बताया कि वह तीनों लोगों के साथ बागेश्वर धाम से ग्राम उमरया तक कुछ सामान लेने चला गया। बागेश्वर धाम में उन लोगों ने उसे प्रसाद खाने को दिया। जिसे खाकर वह कुछ ही देर में वह बेहोश हो गया। जब होश आया तो उसका ट्राली सहित ट्रैक्टर. लेकर तीनों युवक भाग चुके थे। स्थानीय लोगों की मदद से तुल्ली ने परिजनों को घटना की जानकारी दी और राजनगर थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि तुल्ली की रिपोर्ट पर अज्ञात तीन आरोपियों के खिलाफ धारा 379 के तहत मामला पंजीबद्ध करके जांच शुरू कर दी है।

फोरलेन के पास दावत में बुलाकर पूर्व सरपंच की गोली मारकर हत्या

निर्मम हत्या के बाद से पठापुर गांव में फैली दहशत और तनाव

छतरपुर, देशबन्धु। ओरछा रोड थाने के अंतर्गत ग्राम पठापुर के पूर्व सरपंच कैलाश यादव की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी गई है। उसे फोरलेन के पास एक ठिकाने पर दावत के लिये बुलाया गया था। वहां अचानक किसी बात पर विवाद होने पर गोली मारकर उसकी हत्या कर आरोपी भाग निकले हैं।

जानकारी के अनुसार रविवार को पठापुर गांव का पूर्व सरपंच कैलाश यादव किसी जन्मदिन की दावत में फोरलेन के पास गये थे। देर रात तक जन्मदिन की दावत का जश्न चलता रहा। छतरपुर में विश्वनाथ कालोनी में कैलाश यादव परिवार के साथ रहते थे। रात करीब एक बजे छतरपुर स्थित उनके घर में सूचना मिली कि दावत के दौरान कैलाश को किसी ने गोली मार दी है। उन्हें लहूलुहान हालत में घटनास्थल से उठाकर कुछ लोग मिशन अस्पताल में छोड गये हैं। ये खबर मिलते ही छतरपुर और पठापुर गांव से परिजन तुरंत मौके पर पहुंच गये। वहां उनकी हालत ज्यादा गंभीर होने पर तुरंत जिला अस्पताल छतरपुर के लिये रेफर कर दिया गया। मगर नाजुक हालत को देखते हुये कैलाश को झांसी मेडीकल कालेज ले जाया गया। मगर रास्ते में उनकी मौत हो गई। तभी वाहन लौटाकर शव को जिला अस्पताल छतरपुर लाया गया। वहां पुलिस ने पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस का कहना है कि मामला दर्ज करके आरोपियों की खोज की जा रही है। अभी इस हत्याकांड की असली वजह सामने नहीं आई है। बताया गया है कि मृतक कैलाश यादव जमीन की प्लाटिंग सहित कई अन्य काम भी करता था, इसे लेकर किसी बात पर विवाद के बाद इस घटना को अंजाम दिये जाने की लिंक पर पुलिस तहकीकात की जा रही है।

इस घटना के बाद से पठापुर गांव में अजीब सा सन्नाटा पसरा हुआ है। माहौल तनावपूर्ण बना है। पुलिस ने परिजन को समझा बुझाकर आश्वस्त किया गया है कि जल्दी ही हत्याकांड की असली वजह का पता लगाकर

संपर्क क्रांति ट्रैन में हरपालपुर स्टेशन पर किया पथराव

- नहीं खुलने पर यात्रियों ने की पत्थरबाजी

छतरपुर, हरपालपुर, देशबन्धु। छतरपुर जिले के हरपालपुर स्टेशन पर रविवार की रात यूपी संपर्क क्रांति ट्रैन में पथराव की घटना सामने आई है।

इस घटना में कुछ यात्रियों के घायल होने की जानकारी मिली है। इस घटना की लेकर स्टेशन पर यात्रियो की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी अनुसार बीती रात रविवार को मानिकपुर से निजामुद्दीन चलने वाली ट्रेन में पथराव होने की घटना सामने आई है। रविवार देर रात हरपालपुर स्टेशन पर यूपी संपर्क क्रांति ट्रैन रात 10:15 मिनिट पर स्टेशन के प्लेटफार्म एक पर पहुँची। ट्रेन के स्लीपर कोच एवं जनरल बोगी के गेट अंदर से बंद थे। इस कारण प्लेटफार्म पर खड़ी सवारियों द्वारा गेट खुलवाने के बहुत प्रयास किए गए। मगर अंदर से ट्रेन के गेट नहीं खोले गए। दिल्ली, झाँसी, आगरा, मथुरा की ओर जाने वाले यात्रियों के आरक्षण टिकट होने के बाद भी ट्रेन की बोगी नहीं चढ़ पाने से नाराज यात्रियो द्वारा ट्रैन पर पथराव कर दिया गया। जिससे ट्रैन में यात्रा कर रहे कुछ यात्रियों को चोटें आई हैं।

पथराव करने वाले अंधेरे में भागे, मगर पकड़े गए

रात्रि में ड्यूटी पर उपस्थित सहायक स्टेशन मास्टर किशन राजपूत ने इस सूचना आरपीएफ जीआरपी को दी। देर रात हरपालपुर स्टेशन पहुंची आरपीएफ के द्वारा पथराव करने वाले युवकों की पहचान कर पकड़ लिया। पथराव करने वाले युवक घटना के बाद टैक्सी से नौगॉव की ओर भाग गय थे जिन्हें आरपीएफ ने पकड़ लिया हैं। जब इस संबंध में महोबा आरपीएफ एसआई शिवम दुबे से बात करनी चाहिय तो उनका मोबाइल नम्बर नहीं लगा ।बताया गया है कि यूपी संपर्क क्रांति ट्रैन का हरपालपुर स्टेशन पर दो मिनट का स्टापेज है। लेकिन अक्सर इस ट्रेन से यात्रा करने के लिये हरपालपुर स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ रहती हैं। यूपी संपर्क क्रांति ट्रैन में जनरल एवं स्लीपर बोगी कम हो जाने से आये दिन ट्रैन में चढ़ने को लेकर विवाद की स्थिति बनती हैं।

नहर में मिला टैक्सी चालक का शव, परिजन ने हत्या की जताई आशंका

हरपालपुर, देशबन्धु। रविवार रात एक बजे के लगभग हरपालपुर रेल्वे स्टेशन से सवारी लेकर गए टैक्सी चालक का शव सोमवार सुबह यूपी के महोबकंठ थाना क्षेत्र के कनकुआ के पास बड़ी नहर में मिला है।

शव की शिनाख्त अखिलेश कौशिक पिता शिवकुमार कौशिक उम्र 42 वर्ष निवासी स्टेशन मुहल्ला हरपालपुर के रूप में हुई है। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को नहर से निकला और कब्जे में लेकर पंचनामा बनाकर शव पोस्टमार्टम के लिए महोबा जिला अस्पताल भेज दिया है। मृतक के छोटे भाई ने हत्या की आशंका जताई हैं। टैक्सी चालक की मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया हैं। जानकारी के अनुसार अखिलेश रविवार रात एक बजे के लगभग महाकौशल एक्सप्रेस ट्रेन से सवारी लेकर हरपालपुर रेल्वे स्टेशन से सरसेड़ जाने की बात अन्य टैक्सी चालको से कह निकला था। इस बीच अखिलेश का शव महोबा जिले के महोबकंठ थाना क्षेत्र के कनकुआ के पास स्थित नहर से मिला है।

थाना पुलिस ने बताया कि शव पर कोई गंभीर चोट के निशान नहीं हैं। मृतक की बॉडी पर हल्के फुल्के चोट के निशान हैं। जहाँ टैक्सी नहर में गिरी वहां सड़क पर मोड़ हैं। इसलिये पुलिस प्रथम दृष्टया हादसा समझ कर जांच कर रही हैं। मृतक के भाई सोनू ने बताया कि उसके भाई मोबाइल तो मौके पर मिला पर उस से सिम नहीं जब रात में डेढ़ बजे तक उनके मोबाइल पर घंटी जा रही थी। मोबाइल से सिम गायब होना, ये संदेह पैदा कर राह है कि उनके साथ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा लूटपाट के बाद उसकी हत्या कर शव नहर में फेंका गया है। पुलिस के मुताबिक अखिलेश परिवार के साथ हरपालपुर में रहता था। जो टैक्सी चलाने का काम करता था। इसके परिवार में मां, पत्नी, एक बेटा व एक भाई हैं।

इनका कहना है

घटना के सम्बंध में मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिये महोबा भेजा गया हैं पुलिस मामले की गहनता से छानबीन कर रही हैं।

यशवंत सिंह, एसओ महोबकंठ

28 साल से फरार इनामी बदमाश बंगाल की खाड़ी सीमा से गिरफ्तार

लवकुशनगर, देशबन्धु। जिले के सरवई थाना पुलिस ने 28 साल से फरार 10 हजार रूपये के इनामी वारंटी बदमाश को बंगाल की खाड़ी सीमा से गिरफ्तार कर लिया है। वह वहां अपनी पहचान छुपाकर नाम और धर्म बदलकर रह रहा था।

सरवई पुलिस ने बताया 28 साल पहले एक आपराधिक मामले में आरोपी धारा 456 भादवि, एससी एसटी एक्ट के मामले में फरार था। पुलिस उसे देश के विभिन्न राज्यों में निरंतर तलाश कर रही थी। फरार आरोपी को वर्ष 1997 में न्यायालय ने सजा सुनाई थी। वह बडी चालाकी से अपना नाम, पता और धर्म बदलकर पुलिस को गुमराह कर फरार था। उच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 2015 में उसके नाम से स्थाई वारंट भी जारी किया था। फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिये पुलिस अधीक्षक अमित सांघी ने 10000 रुपए का इनाम भी घोषित किया है। एसडीओपी लवकुशनगर नवीन दुबे के मार्गदर्शन में सरवई थाना प्रभारी एसआई अतुल कुमार झा के नेतृत्व में एक पुलिस टीम बनाकर तलाशी अभियान छेडा गया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम बंगाल की खाड़ी की सीमा पर पहुंची। ग्राम करनजलि थाना कुल्पी जिला साउथ 24 परगना सुंदरवन पश्चिम बंगाल में फरार वारंटी नजबुल शेख के नाम से अपनी पहचान छिपाकर नाम एवं धर्म बदलकर रह रहा था।

बंगाल हाईकोर्ट की मदद से मिली कामयाबी : पुलिस ने बताया आरोपी द्वारा अपनी पहचान छुपाने की वजह से छतरपुर पुलिस को थाना कुल्पी जिला साउथ 24 सुंदरवन पश्चिम बंगाल पुलिस से सहयोग नहीं मिल सका। इस कारण छतरपुर पुलिस टीम स्थानीय न्यायालय डायमंड हार्बर कोर्ट पश्चिम बंगाल पहुंची। न्यायालय द्वारा आरोपी के संबंध में असली जानकारी प्राप्त कर उसकी गिरफ्तारी के लिये ट्रांजिट वारंट जारी किया, उसके बाद छतरपुर पुलिस आगे कार्यवाही कर पाई। पुलिस टीम ने मुखबिर द्वारा बताये गये स्थान की घेराबंदी करके आरोपी को अभिरक्षा में लिया, उसके बाद सरवई पहुंची। अभियुक्त स्थाई वारंटी को न्यायालय में पेश किया वहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

गांव-गांव पहुची विकास यात्रा से हितग्राहियों को मिल रहा योजनाओं का लाभ

छतरपुर, देशबन्धु। विकसित भारत संकल्प यात्रा जिले के आठ विकासखण्डों में पहुंच रही है। जिससे योजनाओं की जानकारी जन जन तक पहुंच रही है।

सोमवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा सभी विकासखण्डों के ग्राम गौहानी, सरवई, सूरजपूराखुर्द, बमनी, रगौली, पीरा, ढिमरवा, भुजपुरा, हटवाहा, नयागांव, कीरतपुरा, पुरवा, चौबर, पाय, मनकारी, बुड़रख पहुंची। जहां ग्रामीणों ने यात्रा का स्वागत किया। विकसित भारत संकल्प यात्रा के रथों में लगी एलईडी स्क्रीन द्वारा केन्द्र सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों एवं योजनाओं और उलब्धियों की जानकारी दी गई। इस अवसर योजनाओं का लाभ देने विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर कर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र सरकार के विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों द्वारा मेरी कहानी मेरी जुबानी के अंतर्गत अपने अनुभव साझा किये गये।

आज 16 ग्रामों में पहुंचेगी संकल्प यात्रा : संकल्प यात्रा जिले के सभी आठ विकासखण्डों में पहुंच रही है। विभागीय योजनाओं का लाभ देने स्टॉल लगने से पात्र हितग्राहियों को मौके पर लाभ मिल रहा है। इसी क्रम में 19 दिसंबर को यात्रा सोलह ग्रामों में पहुंचेगी। जिनमें नीबीखेड़ा, अजीतपुर, छाईकुवा, मैलवार, गिलौहां, टहनगा, दरगुवां, वीरमपुरा, रगौली, डारगुवां, टुड़र, राजनगर के गोरा एवं छतरपुर के ग्राम गोरा, उदयपुरा बिकौरा एवं पुरमऊ शामिल है। इन गांवों में यात्रा का जोरदार स्वागत किया जाएगा।

झूठी खबर प्रकाशन को लेकर सुंदर कांड आयोजकों ने एसडीओपी को सोपा ज्ञापन

घुवारा, देशबन्धु। बड़ा मलहरा अनुविभागीय क्षेत्र के थाना बमनौरा गांव के करीब एक दर्जन लोगों ने बडामलहरा एसडीओपी वीरेन्द्र बहादुर सिंह को लिखते आवेदन देते झूठी खबर प्रकाशित करने बालो के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। सुंदर कांड पार्टी के लोगों द्वारा आवेदन में उल्लेख करते हुए बताया है कि बिगत दिनों गांव में बमनौरा गांव में ही सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जा रहा है सुंदरकांड समापन के उपरांत हर सभी अपने-अपने घर चले गये उसके बाद गांव के लोगो ने शराब का सेवन करके तेज आबाज में डीजे पर राई नृत्य करने लगे उसी दौरान बमनौरा थाना पुलिस द्धारा गस्त पर तैनात आरक्षक लोकेन्द्र वर्मा मौके पर पहुंच कर आधी रात को तेज आबाज में बज रहे डीजे को बंद करने की बात कही लेकिन शराब के नशे में होने के कारण आरक्षक से अभद्रता करने लगे जिसपर आरक्षक द्धारा सख्ती दिखाते हुए डंडा निकाला जिसपर वहा पर कुछ लोगों द्वारा विडीयो बनाकर विडीयो को एडऐट करके सोसल मीडिया सहित ख्याति प्राप्त अखबार दैनिक भास्कर में बिना तथ्यात्मक खबर का झूठा प्रकासन करके समाज व गांव में माहौल खराब किया जा रहा है वहीं सुंदरकांड पार्टी द्वारा आवेदन में कहा गया कि न ही हम लोगों को आरक्षक द्वारा गाली दी गई न ही हम लोगों से कुछ कहा है जो हमारी सुंदरकांड पार्टी को बदनाम किया जा रहा है बदनाम करने बालो के खिलाफ जांच कर कार्यवाही की जाये।

इनका कहना है : जब इस संबंध में एसडीओपी से बात की तो उनका कहना है कि सुंदरकांड पार्टी बालों ने आवेदन दिया है जांच कराकर कार्यवाही की जायेगी।

बीरेंद्र बहादुर सिंह, एसडीओपी बड़ामलहरा

विधि विद्यार्थियों ने जिला जेल का भ्रमण कर जानी, बंदियों की जीवन शैली

छतरपुर, देशबन्धु। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छतरपुर के द्वारा जिले में वकालत की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को जिला जेल का मुआयना कराया गया।

अपराधों के संबंध में जानकारियां हेतु विधि विद्यालय पंडित मोतीलाल नेहरू लॉ कॉलेज और अवंतीबाई कॉलेज के अंतिम वर्ष की विद्यार्थियों को सोमवार को जिला जेल ले जाकर जेल में होने वाली गतिविधियों की जानकारी दी गई। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने जेल में विभिन्न अपराधों में सजा बंदियों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। जिला जेल अधीक्षक आरएस पांडे ने जेल में बंदियों की दिनचर्या छात्र-छात्राओं को विस्तृत तरीके से जेल भ्रमण करते हुए कैदियों की दिनचर्या के बिषय में जानकारी दी। जेलर श्री पांडे ने छात्र-छात्राओं बताया कि जिला जेल में बंदियों के लिए उनके जीवन के सुधार के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जिसमें अभी महिला बंदिया के लिए सिलाई एवं जूट से बनाने वाले चीजों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिससे वे सामाजिक जीवन में लौट के बाद अपना रोजगार स्थापित करने में माहिर बन सके।

लीगल एण्ड डिफेंस काउंसिल सुयोग्य अवस्थी ने बताया की जिन महिला एवं पुरूष बंदियों के वकील नहीं उनकी निःशुल्क पैरवी करने एवं न्याय दिलाने हेतु आश्वसन दिया गया।

इस मौके पर विद्यार्थियों के साथ लीगल एण्ड डिफेंस काउंसिल सुयोग्य अवस्थी, एवं अधिवक्ता हर्षिका झा, जेल अधीक्षक आरएस पांडे, लवकुशनगर जेल अधीक्षक अनिल पाठक, विधि विद्यार्थी राहुल रैकवार, ऋषिकांत पटेल, रूप सिंह यादव, ऋषभ गुप्ता, पावर्ती प्रजापति, भावानी अहिरवार, भारती अहिरवार, काजल पटेल, रूचि परमार सहित अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

क्या हैं विंटर इंटर्नशिप कार्यक्रम : लीगल एण्ड डिफेंस काउंसिल सुयोग्य अवस्थी ने बताया कि 21 दिन की यह इंटर्नशिप चल रही है, जिसमें डे बाई डे विधि के छात्र-छात्राओं को विभिन्न स्थानों पर विजिट कराया जाता है। जैसे जिला जेल, सी डब्लू सी, बन स्टॉप सेंटर, गाँधी आश्रम, बाल संप्रेषण गृह (बच्चा जेल) आदि और जो विद्यार्थी इस इंटर्नशिप कार्यक्रम में नियमित रूप से उपस्थित रहते हैं उन्हें कार्यक्रम उपरांत सर्टिफिकेट प्रदान किया जाता है।

कृष्णा विश्वविद्यालय में खेल उत्सव के 9वे दिन हुए एथलेटिक्स के मुकाबले

गोला, तवा एवं माला फेंक रहा रोमांच, दौड़ और कूद में दिखाया दमखम

छतरपुर, देशबन्धु। *श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में चल रहे खेल उत्सव के 9वे दिन बालिका वर्ग खो-खो, बालक एवं बालिका वर्ग गोला फेंक, तवा फेंक, भाला फेंक, उँची कूद, लम्बी कूद, 100 मी. दौड़ का आयोजन किया गया।*

लक्ष्मी बाई टीम एवं रानी दुर्गावती टीम के मध्य खो खो का मैच खेला गया। जिसमें रानी लक्ष्मी बाई टीम ने रानी दुर्गावती टीम को 1 प्वाइंट से शिकस्त दी। बालक वर्ग गोला फेंक में प्रथम स्थान आनंद यशवर्धन, द्वितीय निशांत बाल्मिक, तृतीय निशांत गोस्वामी का रहा। तवा फेंक में प्रथम अंकित कुमार, द्वितीय रजीश पांडे का रहा। भाला फेंक में प्रथम रजनीश पांडे, द्वितीय अंकित कुमार ने प्राप्त किया।

उँची कूद में प्रथम राहुल सिंह, द्वितीय गजराज प्रजापति, तृतीय रवि अहिरवार, लम्बी कूद में प्रथम रामराज प्रजापति, द्वितीय आनंद यशवर्धन, तृतीय स्थान अखिलेश अहिरवार ने प्राप्त किया। तसि तरह 100 मी. दौड़ में प्रथम स्थान रामजी ठाकुर, द्वितीय निशांत बाल्मिक, तृतीय रवि अहिरवार ने प्राप्त किया।

वहीं बालिका वर्ग गोला फेंक में प्रथम मुस्कान गर्ग, द्वितीय निशा यादव, तृतीय प्रियंका यादव, उँची कूद में प्रथम रोशनी अहिरवार, द्वितीय प्रिंसी चौरसिया, लम्बी कूद में प्रथम नीलू राजपूत, द्वितीय क्रांति रजक, तृतीय रोशनी अहिवार एवं 100 मी. दौड़ में प्रथम ललिता चौरसिया, द्वितीय निशा अहिरवार, तृतीय स्थान नीलू राजपूत रहीं।

बताया गया है कि 19 दिसम्बर को बालक वर्ग क्रिकेट का सेमी फाइनल का प्रथम मैच फैकल्टी ऑफ लॉ बनाम फैकल्टी ऑफ कंप्यूटर साइंस एवं द्वितीय मैच फैकल्टी ऑफ विज्ञान और शिक्षा बनाम डिपार्टमेंट ऑफ फार्मेसी के बीच खेला जाएगा। आज के कार्यक्रम का संचालन सुमेधा राय ने किया।

खेल से तन और मन दोनों स्वस्थ होते है

आयोजन के मुख्य अतिथि केके अग्निहोत्री बीआरसी छतरपुर ब्लॉक, विशिष्ट अतिथि प्रदीप गोस्वामी, सीएससी छतरपुर उपस्थित रहे। मंचासीन अतिथियों का स्वागत विश्वविद्यालय के सलाहकार डॉ. बीएस राजपूत ने किया। मुख्य अतिथि श्री अग्निहोत्री ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जीवन का यह पढ़ाव स्वर्णिम पढ़ाव है। हम अपने देश को खेलों के माध्यम से आगे बढ़ा सकते हैं। विषय कोई भी हो चाहे खेल का हो या पढ़ाई का, बुरा नही होता है। हमें अपने विषय की गहराई तक जाना है। यही हमारी सफलता का मंत्र है। खेल से तन मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। विशिष्ट अतिथि श्री गोस्वामी ने कहा पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी आवश्यक हैं। खेल बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए खेले जाते हैं। जिसमें बच्चों का शारीरिक ही नही अपितु मानसिक विकास भी होता है। सभी खेलों को खेल की भावना से ही खेलना चाहिए। एथलेटिक्स, खो-खो प्रतियोगिता की आयोजक डॉ. प्रणति चतुर्वेदी, विशाल सिंह के अलावा खेल उत्सव आयोजन समिति के डॉ. शिवेन्द्र सिंह परमार, डॉ. सचिन व्यास, डॉ. आशीष पचौरी, विवेक प्रताप सिंह, गौरव शर्मा और नीरज पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सागर, मंगलवार 19 दिसम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

भारत को लेकर अमेरिका की चिंता

अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के लिए बने अमेरिकी आयोग यूएससीआईआरएफ ने बाइडेन सरकार से अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत भारत को 'विशेष चिंता वाला देश' घोषित करने का आह्वान किया है। यह आयोग 2020 से लगातार ऐसी ही मांग उठाते आया है। इस साल फिर आयोग ने कहा है कि भारत व्यवस्थित तरीके से लोगों की धार्मिक आजादी और आस्था को निशाना बना रहा है। इसलिए भारत को विशेष चिंता का देश नामित किया जाए। खास बात यह है कि इस बार भारत के लिए यह नकारात्मक टिप्पणी विदेशों में धार्मिक अल्पसंख्यकों को कथित रूप से निशाना बनाने का हवाला देते हुए की गई है। कुछ समय पूर्व कनाडा में खालिस्तान आंदोलन से जुड़े हरदीप सिंह निज्जर की हत्या और उसके बाद अमेरिका में इसी तरह गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को आयोग ने चिंताजनक बताया है। हालांकि इन दोनों मामलों पर भारत की प्रतिक्रिया को लेकर विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने कहा है कि जरूरी नहीं कि दोनों मुद्दे एक जैसे हों। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जहां हम जो करते हैं जिम्मेदारी से करते हैं।

अच्छी बात है कि भारत सरकार कहीं तो ये स्वीकार कर रही है कि वो जो करती है जिम्मेदारी से करती है। वर्ना पिछले कुछ सालों में तो यही दिख रहा है कि बड़े-बड़े फैसले बिना किसी जिम्मेदारी के लिए जा रहे हैं। नोटबंदी और लॉकडाउन जैसे फैसले इसकी मिसाल हैं, जिनमें लाखों लोग प्रभावित हो गए और फिर भी कहीं किसी की जिम्मेदारी नहीं तय हुई। अभी संसद पर इतने सनसनीखेज तरीके से धुएं का हमला किया गया, उस पर भी सरकार में बैठे जिम्मेदार लोग, जिम्मेदार तरीके से जवाब देने से बचते रहे हैं। अब कम से कम विदेश मंत्री ने जिम्मेदारी से काम करने की बात तो मानी है। इसके बाद अब विदेश मंत्री को इस बात का जवाब भी दे देना चाहिए कि आखिर क्यों अमेरिकी आयोग लगातार तीसरे साल भारत की धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर चिंताजनक टिप्पणी कर रहा है। जिस तरह प्रेस की स्वतंत्रता से लेकर भुखमरी के आंकड़ों तक भारत हर अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग को गलत बताता आया है, और इससे पहले अमेरिकी आयोग की धार्मिक स्वतंत्रता की रिपोर्ट को भी खारिज करता आया है, इस साल की रिपोर्ट को भी रद्दी की टोकरी में डाला जा सकता है। लेकिन अयोध्या के बाद मथुरा और काशी में अपने संकल्प को पूरा करने के लिए तैयार बैठी भाजपा क्या यह बताएगी कि आखिर साल दर साल एक जैसी ही चिंता क्यों व्यक्त की जा रही है। कहीं कोई चिंगारी सुलग तो रही है, जिसका धुआं अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नजर आने लगा है।

अयोध्या में राम मंदिर तो बन कर लगभग तैयार हो ही चुका है, इस बीच पिछले साल काशी में ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे के लिए अदालती आदेश जारी हुआ था और अब मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में कोर्ट की निगरानी में सर्वे कराने की मांग स्वीकार कर ली गई है। 1991 में लागू किया गया प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट अब अपनी प्रासंगिकता खोता जा रहा है, जिसमें कानूनी प्रावधान है कि 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। जब यह कानून बनाया गया था, उस वक्त किसी ने शायद कल्पना नहीं की होगी कि भारत को हिंदू राष्ट्र में तब्दील करने का उन्माद इतने व्यापक तौर पर असर दिखाने लगेगा। लेकिन 30 सालों में गंगा-जमुना में इतना पानी बह गया है कि गंगा-जमुनी संस्कृति भी वक्त की धार में खो गई है। अब जो जितनी नफरत के साथ राजनैतिक सौदेबाजी करेगा, वो उतना बड़ा नेता कहलाएगा। तो इस वक्त देश में सत्ताधारी लोगों में बड़ा नेता बनने की होड़ लगी हुई है।

केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने हलाल और झटके के मांस पर राजनीति करते हुए कहा है कि मैं उन मुसलमानों की प्रशंसा करता हूं जो केवल हलाल मांस ही खाते हैं। अब हिंदुओं को अपनी धार्मिक परंपराओं के प्रति इसी तरह की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करनी चाहिए। गिरिराज सिंह ने कहा कि हत्या करने का हिंदू तरीका झटका है। इसलिए हिंदुओं को हमेशा झटका पर कायम रहना चाहिए। अब तक नवरात्रि और सावन के महीने में मीट की दुकानें बंद करने की मुहिम छेड़ी जाती थी। फिर कई जगहों पर धार्मिक स्थलों के आसपास मांस की दुकानें बंद करवाई गईं। जयपुर में मांसाहारी खाद्य वस्तुओं के ठेले बंद करवाने का अभियान छेड़ा गया, हालांकि पांच सितारा होटलों पर ऐसा कोई जोर नहीं दिखाया गया। और अब हलाल और झटके के मांस को लेकर राजनेता सलाह देने लगे हैं कि किसे क्या खाना चाहिए और क्यों खाना चाहिए।

उधर असम में बीते बुधवार सरकार संचालित और सरकारी सहायता प्राप्त 'एमई मदरसों' यानी मिडिल स्कूल मदरसों को तत्काल प्रभाव से सामान्य स्कूलों में बदलने का निर्देश दिया गया है, जिसके बाद राज्य के 1,281 मदरसे अब एम ई स्कूल कहलाएंगे, मदरसा नहीं। अरबी के शब्द मदरसा का अर्थ पाठशाला, विद्यालय या स्कूल ही होता है। लेकिन धर्म के नाम पर भेदभाव करने वाले लोग भाषा के भेद को समझ नहीं सके। उन्हें इस्लाम से ही नहीं, अरबी के शब्द से भी तकलीफ होने लगी। क्योंकि अपने संकुचित नजरिए में वे यह देख ही नहीं पाए कि मदरसा केवल धार्मिक शिक्षा तक सीमित नहीं होता है, जहां कहीं भी ज्ञान की शाला लगती है, वो मदरसा ही कहलाएगा। दरअसल असम में भाजपा सरकार ने 2021 में मदरसा शिक्षा-संबंधित दो अधिनियमों को समाप्त करने के लिए एक कानून बनाकर सभी सरकारी और प्रांतीय मदरसों को बंद करने की प्रक्रिया शुरू की थी, तब हिमंता बिस्वासरमा शिक्षा मंत्री थे। अब वे मुख्यमंत्री हैं और उनकी सरकार मदरसों को बंद करने पर तुली है। भाजपा का तर्क है कि सरकारी पैसे पर धार्मिक शिक्षा नहीं दी जा सकती। लेकिन क्या यह तर्क सरस्वती शिशु मंदिर जैसे शिक्षा संस्थानों पर भी लागू होगा, यह विचारणीय है।

बहरहाल, हलाल, झटका और मदरसा बनाम स्कूल तक के तमाम विवाद कपड़ों की पहचान के गुजरात मॉडल को ही अभिव्यक्त कर रहे हैं। जब तक सत्ता हाथ में है, तब तक इस बात की फिक्र क्यों की जाए कि भारत में बढ़ रही धार्मिक असहिष्णुता को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैसी छवि बन रही है।

मी लार्ड फैसला मिला है, पर न्याय नहीं मिला!

2019 के अगस्त में शुरू में जम्मू-कश्मीर के संबंध में केंद्र सरकार ने जो विवादास्पद कदम उठाए, उनकी कानूनी/ संवैधानिक वैधता पर उस समय संसद में तथा संसद के बाहर भी गंभीर सवाल उठे थे और उसी आधार पर इन कदमों को सुप्रीम कोर्ट में कई राजनीतिक तथा सामाजिक-नागरिक अधिकार संगठनों की ओर से चुनौती भी दी गई थी। बहरहाल, कानूनी वैधता पर विवाद के विपरीत, मोदी सरकार के उक्त कदमों के संबंध में एक बात निर्विवाद थी। ये कदम सत्ताधारी भाजपा और उससे भी बढ़कर उसके मातृ संगठन, आरएसएस के बुनियादी लक्ष्यों में से एक को पूरा करने वाले कदम थे। कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाली, संविधान की धारा-370 को खत्म कराना, स्वतंत्रता की शुरूआत से ही आरएसएस के और उसके द्वारा खड़ी की गई राजनीतिक पार्टियों, पहले जनसंघ और आगे चलकर भाजपा के मूल एजेंडे पर रहा था। अगर सवा चार साल पहले, भाजपा की प्रबल बहुमत की सरकार ने, आरएसएस के इस पुराने एजेंडे को पूरा कर दिया था, तो अब सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने, मोदी सरकार के उक्त कदमों पर वैधता की मोहर लगाकर, आरएसएस के उक्त एजेंडे के पूरे किए जाने को, तथाकथित अमृतकाल के भारत की नियति बना दिया है।

कहने की जरूरत नहीं है कि देश को बलपूर्वक इस दिशा में धकेले जाने की समस्या सिर्फ यह नहीं है कि यह दिशा आरएसएस के एजेंडे की है। समस्या यह है कि यह दिशा, इस देश के स्वतंत्रता संघर्ष की मूल दिशा से उल्टी है। स्वतंत्रता संघर्ष की उस मूल दिशा ने ही इसका रास्ता बनाया था कि इस्लाम के नाम पर भारत से अलग होकर पाकिस्तान के बनने और ज्यादातर लगते हुए मुस्लिम बहुल इलाके पाकिस्तान में जाने के बावजूद, सीमाएं लगने के बावजूद मुस्लिम बहुल जम्मू-कश्मीर कानूनन भारत के साथ बना रहा है और उसका बड़ा हिस्सा आज भी भारत के अधिकार में है। आरएसएस के एजेंडे की मूल दिशा, जो जम्मू-कश्मीर की इस बहुसंख्यक आबादी के प्रति वैरभाव पर आधारित है, इस नाजुक रिश्ते को उधेड़ने का ही काम कर सकती है, फिर चाहे एक भूभाग के रूप में उसके कितने ही बड़े हिस्से पर बलपूर्वक नियंत्रण रखना क्यों न संभव हो।

इसलिए, भारत की स्वतंत्रता के संघर्ष के बीच से निकली, स्वतंत्र भारत की मूल संकल्पना की परवाह करने वाला कोई व्यक्ति अगर बरबस, बाबरी मस्जिद विवाद में सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय बैंच के ही फैसले के बाद चलन में आई इस उक्ति को एक बार फिर दोहराए तो हैरानी की बात नहीं होगी—मी लार्ड, फैसला मिला है, न्याय नहीं!

न्याय नहीं मिलने के दो पहलू हैं, जो आगे चलकर आपस में जुड़ जाते हैं। पहला तो यही कि धारा-370 के निरस्त किए जाने को वैध ठहराते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने उस विशिष्ट रिश्ते की ओर से आंखें ही मूंदे रखी हैं, जिसकी अभिव्यक्ति इस धारा की विशिष्ट व्यवस्था में हो रही थी। इसी का नतीजा सुप्रीम कोर्ट के फैसले में इस दावे के रूप में सामने आता है कि जम्मू-कश्मीर के भारतीय संघ के साथ विलय की संधि पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद, उसकी कोई 'आंतरिक संप्रभुता' नहीं रह गई थी। और इसलिए, संप्रभुता के इकलौते आसन के रूप में भारतीय संघ को, अपने अंग के रूप में उसके लिए निर्णय लेने के समस्त अधिकार हैं, जिसमें धारा 370 को खत्म करना भी शामिल है।

लेकिन, संप्रभुता की यह नितांत एकात्मवादी अवधारणा है, जबकि भारतीय संविधान में स्थापित संघीय व्यवस्था, संप्रभुता की एक बहुपरतीय अवधारणा की मांग करती है, जहां स्वायत्तता के रूप में संप्रभुता के तत्व दूर तक

राजेंद्र शर्मा

> स्वतंत्रता संघर्ष की उस मूल दिशा ने ही इसका रास्ता बनाया था कि इस्लाम के नाम पर भारत से अलग होकर पाकिस्तान के बनने और ज्यादातर लगते हुए मुस्लिम बहुल इलाके पाकिस्तान में जाने के बावजूद, सीमाएं लगने के बावजूद मुस्लिम बहुल जम्मू-कश्मीर कानूनन भारत के साथ बना रहा है और उसका बड़ा हिस्सा आज भी भारत के अधिकार में है।

बिखरे रहते हैं। राज्यों के अधिकारों की विस्तृत व्यवस्था पर आधारित भारतीय संघीय व्यवस्था, संप्रभुता के तत्वों के इसी बिखराव की अभिव्यक्ति है। धारा-371 के अंतर्गत उत्तर-पूर्व के अनेक राज्यों में तथा अन्य कई राज्यों में भी, संघीय शासन के बरक्स स्थानीय शासन को दिए गए विशेषाधिकार, इसी का एक और स्तर हैं। धारा-370 इसी के एक और स्तर को अभिव्यक्त करती थी, जिसमें इस रूप में इसकी अनुल्लंघनीयता की गारंटी भी जोड़ी गई थी कि इसका अनुमोदन करने वाली जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा के अनुमोदन से ही, इसे बदला जा सकता था। यह एक पवित्र वादे की अभिव्यक्ति थी, जो भारतीय संघ की ओर से विलय के समय, जम्मू-कश्मीर की जनता से किया गया था।

लेकिन, 2018 में राज्य में राज्यपाल/ राष्ट्रपति शासन लगाकर, विधानसभा के भंग किए जाने के जरिए, कपटपूर्वक इस वादे को तोड़े जाने का रास्ता तैयार किया गया, जिस पर अदालत ने इसलिए अनुमोदन की मोहर लगा दी है कि उसकी नजर में ऐसा करना उस संप्रभुता के दायरे में था, जिसका एकमात्र संघ में ही वास है। संप्रभुता की इसी सीमित करने वाली अवधारणा का विस्तार कर, मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में, पांच सदस्यीय संविधान पीठ इस मनमाने निष्कर्ष पर पहुंची कि संविधान की धारा, जम्मू-कश्मीर के भारत से 'पूर्ण-एकीकरण' के लिए की गई एक 'अस्थायी' व्यवस्था थी और इसलिए, उसका खत्म होना उसके अस्तित्व के उद्देश्य के ही पूरा होने का सूचक है। धारा 370 के खत्म किए जाने के लिए, इस धारा को ही दलील बनाए जाने से, ऊटपटांग चीज दूसरी नहीं हो सकती है।

न्याय नहीं मिलने का दूसरा पहलू, मोदी सरकार के जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा खत्म करने और उसे दो केंद्र शासित क्षेत्रों में बांटने के निर्णय से संबंधित है। राज्य का दर्जा खत्म करने और उसे टुकड़ों में बांटने का यह निर्णय, इसके बावजूद लिया गया था कि उस समय जम्मू-कश्मीर विधानसभा अस्तित्व ही नहीं थी जबकि संघीयता के तकाजों के आधार पर संविधान इसकी स्पष्ट व्यवस्था करता है कि संघ के हिस्से के रूप में किसी राज्य के दर्जे या उसकी सीमाओं में बदलाव के लिए, संघ का प्रस्ताव राष्ट्रपति द्वारा राज्य की राय हासिल करने के लिए उसे भेजा जाना आवश्यक है, भले राज्य की राय राष्ट्रपति के लिए बाध्यकर नहीं होती है। इस मामले में कपटपूर्वक इस मामले में राज्य की राय के स्थानापन्न के रूप में राज्यपाल की राय को रख दिया गया, जो निर्विवाद रूप से संघीय सरकार का एजेंट होता है। विचार करने का प्रश्न यह था कि क्या केंद्र को इसकी इजाजत दी जा सकती है कि, अपने ही एजेंट की राय को, राज्य की राय बनाकर, राज्यों के साथ अपनी मनमानी का रास्ता बना ले।

दुर्भाग्य से सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने इस प्रश्न को सीधे संबोधित करने से बचने का ही रास्ता ही अख्तियार किया। उल्टे उसने पूरे मामले में विचार कर कोई निर्णय देने से ही इस बहाने से इंकार कर दिया कि संघ सरकार की ओर से यह वादा किया गया था कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। इसलिए, इस प्रश्न पर विचार करने की जरूरत ही नहीं रह जाती है! लेकिन, इस मामले में विवाद में न जाने की अदालत की उत्सुकता इतनी प्रबल थी कि उसने वादा करने वाले संघीय शासन से यह तक जानने की जरूरत नहीं समझी कि राज्य के दर्जे की बहाली कब की जाएगी? उल्टे, उसी फैसले में उसने मोदी सरकार के उन्हीं कदमों के क्रम में, जम्मू-कश्मीर को तोड़कर, लद्दाख को केंद्र शासित क्षेत्र बनाए जाने को वैध भी, ठहरा दिया। यानी कुल मिलाकर, एक राज्य को उसकी राय लिए बिना टुकड़ों में बांटे जाने को उसी अदालत ने वैध ठहरा दिया, जिसने ऐसा किए जाने की वैधता को दी गई चुनौतियों पर विचार कर इस पर संवैधानिक व्यवस्था स्पष्ट करने की जरूरत नहीं समझी।

एक नजीर के रूप में, सुप्रीम कोर्ट के फैसले का यह पहलू, जम्मू-कश्मीर के साथ जो कुछ करता है, उसके अलावा देश की संघीय व्यवस्था मात्र के लिए गंभीर खतरे का रास्ता खोल देता है। इस तरह तो कोई संघीय शासन अपनी मर्जी से पहले किसी राज्य पर राष्ट्रपति शासन लगाकर और इस तरह से वहां अपने एजेंट के रूप में राज्यपाल को राज्य की राय का स्थानापन्न बनाकर, इस कपटचाल के जरिए आसानी से किसी राज्य का दर्जा घटा सकता है, उसे तोड़ सकता है, उसकी सीमाओं को बदल सकता है या उसके क्षेत्र का किसी दूसरे राज्य में विलय कर सकता है। सिद्धांत रूप में तो इस तरह संघीय शासन, सभी राज्यों को खत्म कर, संघीय ढांचे का अस्तित्व ही खत्म कर सकता है और देश में एकात्मक व्यवस्था कायम कर सकता है। जिस तरह, धारा 370 का सहारा लेकर धारा 370 को खत्म किया गया है, उसी प्रकार संघीय व्यवस्था करने वाले संविधान का सहारा लेकर, संघीय व्यवस्था को भी खत्म किया जा सकता है।

अन्याय के ये दोनों पहलू वहां जुड़ जाते हैं, जहां संविधान पीठ भारतीय संघ के केंद्रीयकरणकारी मंसूबों पर अंकुश लगाने का अपना संवैधानिक दायित्व पूरा करने के बजाय, उसमें संप्रभुता के वास के नाम पर ज्यादा से ज्यादा उसके कदमों के साथ चलता नजर आता है। हैरानी की बात नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट के दो-दो पूर्व-न्यायाधीश अब तक सार्वजनिक रूप से सुप्रीम कोर्ट के फैसले को अन्यायपूर्ण करार देकर, सर्वोच्च न्यायालय से अपने निर्णय को बदलने की मांग कर चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व-न्यायाधीश रोहिंग्टन नारीमन ने तो यह गंभीर सवाल भी उठाया है कि सुप्रीम कोर्ट ने यह अन्याय कैसे होने दिया कि जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन का बिना किसी आधार के विस्तार किया जाता रहा है, जबकि देश का संविधान एक साल से आगे विस्तार पर काफी कड़ाई से अंकुश लगाता है और इसके कोई लक्षण नहीं हैं कि जम्मू-कश्मीर के मामले में इस कड़े अंकुश के तकाजों को पूरा किया गया हो। परोक्ष रूप से वह इसका इशारा करते नजर आते हैं कि जम्मू-कश्मीर के प्रति, संघ परिवार के सांप्रदायिक पूर्वाग्रह से संचालित अन्याय में, सुप्रीम कोर्ट भी हमकदम बनता नजर आता है।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

उत्तर प्रदेश में विपक्ष का बड़ा राजनीतिक प्रदर्शन 20 दिसंबर से

■ अरुण श्रीवास्तव

भाजपा की कथित जनविरोधी सरकार से छुटकारा पाने के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस अब 20 दिसंबर को सहारनपुर के शाकंभरी देवी मंदिर से अपनी उत्तर प्रदेश जोड़ो यात्रा शुरू करेगी जो 25 दिनों तक चलने के बाद नैमिषारण्य (सीतापुर) में समाप्त होगी। इस दौरान यात्रा उत्तर प्रदेश के 10 पश्चिमी और मध्य जिलों के 16 संसदीय क्षेत्रों से होकर गुजरेगी।

जाहिर तौर पर यह यात्रा कांग्रेस का शो है, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के अलावा वरिष्ठ विपक्षी नेता, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और कई वरिष्ठ विपक्षी नेता भी भाग लेंगे।

तीन हिंदी भाषी राज्यों में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में अपनी करारी हार से सबक लेते हुए कांग्रेस नेतृत्व सावधानी से कदम बढ़ा रहा है। 19 दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक के ठीक बाद यह यात्रा विपक्ष के नेताओं को प्रेरित करने और उन्हें एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए महत्वपूर्ण कदम होगी।

> तीन हिंदी भाषी राज्यों में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में अपनी करारी हार से सबक लेते हुए कांग्रेस नेतृत्व सावधानी से कदम बढ़ा रहा है। 19 दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक के ठीक बाद यह यात्रा विपक्ष के नेताओं को प्रेरित करने और उन्हें एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए महत्वपूर्ण कदम होगी।

आरएसएस द्वारा चुनावी प्रबंधन की कमान संभालने और रणनीति तैयार करने के साथ, कांग्रेस के लिए इंडिया ब्लॉक के घटकों को एक साथ लाने और आरएसएस की योजना को चुनौती देने की रोमांचकारी तात्कालिकता पैदा हो गई है। इसमें कोई संदेह नहीं कि भाजपा और नरेंद्र मोदी भगवा राजनीतिक पारिस्थितिकी तंत्र का सार्वजनिक चेहरा होंगे, मतपत्र की मुख्य लड़ाई आरएसएस द्वारा लड़ी जायेगी।

भाजपा के चुनावी तंत्र पर अपनी मजबूत पकड़ बनाये रखने का आरएसएस का संकल्प इन राज्यों के मुख्यमंत्रियों के रूप में अपने तीन भरोसेमंद कैडरों को स्थापित करने की योजना में स्पष्ट रूप से प्रकट होता है, भले ही इन राज्यों में भाजपा को जीत दिलाने के लिए मोदी को श्रेय दिया जा रहा है। स्पष्ट राजनीतिक मजबूरियों के कारण आरएसएस नेतृत्व मोदी को दरकिनार करना पसंद नहीं करेगा, लेकिन तब यह उन्हें चुनावी रणनीतियों और तैयारियों में हस्तक्षेप करने की अनुमति भी नहीं देगा।

हालांकि मोदी और अमित शाह को उत्तर प्रदेश में पार्टी के लिए रणनीतिकार माना जाता है और वे स्पष्ट रूप से राज्य के नेताओं के साथ बातचीत कर रहे हैं, यह आरएसएस नेतृत्व है जो दिशानिर्देश जारी कर रहा है और नीतियों और कार्यक्रमों को तैयार कर रहा है। यद्यपि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आरएसएस कैडर नहीं हैं, संघ नेतृत्व उनकी नाव को बर्बाद करने को तैयार नहीं है।

सत्ता विरोधी खतरे को खत्म करने के लिए आरएसएस ने जिला इकाइयों के पदाधिकारियों में फेरबदल और बदलाव का काम किया है। आरएसएस का मुख्य निशाना पश्चिमी उत्तर प्रदेश रहा है। संयोग से 2013 के मुजफ्फरनगर दंगे के बाद आरएसएस ने इस क्षेत्र में एक मजबूत आधार हासिल कर लिया था। लेकिन हालिया किसान आंदोलन के मद्देनजर क्षेत्र में राजनीतिक परिदृश्य और समीकरण बदल गये हैं। जिन जाटों ने मुसलमानों पर खतरनाक हमले किये थे, वे अविश्वास के तत्व पर काबू पा चुके हैं और अब मुसलमानों के साथ अच्छे संबंध बना रहे हैं। जाटों ने भाजपा से नाता तोड़ लिया है। भाजपा के लिए बुरी खबर यह है कि हिंदू किसानों के एक बड़े वर्ग ने भाजपा की ओर से मुंह मोड़ लिया है। किसान आंदोलन के दौरान मरने वाले 800 किसानों में से अधिकांश राज्य के पश्चिमी क्षेत्र के थे।

यह भाजपा से हिंदू अलगाव का तत्व है जिसने कांग्रेस को उत्तर प्रदेश जोड़ो यात्रा को पश्चिमी यूपी में केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया है। 2024 के आम चुनाव पर नजर रखते हुए सपा, बसपा और कांग्रेस ने मुस्लिम वोटों को लुभाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। फिर भी वे देश के राजनीतिक रूझान का अनुसरण करना पसंद कर सकते हैं और वे हो सकता है कि कांग्रेस के पीछे चल दें।

कांग्रेस भाजपा को हरा सकती है, लेकिन राज्य से लोकसभा सीटें जीतने के लिए उसे हिंदुत्व को लेकर आरएसएस द्वारा शुरू किये गये मनोवैज्ञानिक युद्ध को हराना होगा।

राज्य में जाति निर्णायक कारक रही है, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व स्थानीय जाति क्षत्रपों तक पहुंचने में विफल रहा है। उत्तर प्रदेश में 17 आरक्षित लोकसभा सीटें हैं, जिनमें से अधिकांश पर दलित वोट बैंक का प्रभाव है। लेकिन सच तो यह है कि न तो समाजवादी नेता अखिलेश और न ही कांग्रेस ग्रामीण स्तर पर इस आबादी तक पहुंच पाई है। कांग्रेस के दलित नेता मल्लिकार्जुन खड़गे का जादू दलितों को कितना प्रेरित करेगा, यह अभी साफ नहीं है।

2024 के चुनाव में दलित मतदाताओं का विश्वास जीतना, जो धीरे-धीरे मायावती और बसपा से दूर हो रहे हैं, विपक्षी दलों का प्राथमिक मिशन रहा है।

योगी के सत्ता में आने के बाद पिछले सात सालों में भाजपा ने समाजवादी पार्टी और बीएसपी से कई दलित नेताओं को अपने पाले में कर लिया है। हाल के महीनों में अखिलेश अपने 'पीडीए' (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) नारे के जरिये दलित मतदाताओं को जोड़ने में सक्रिय हैं। लेकिन यह काम करता नजर नहीं आ रहा है। दलित यादवों के वर्चस्व को लेकर सशंकित हैं। दलित नेताओं को लगता है कि वे न तो समाजवादी पार्टी में और न ही भाजपा में स्वीकार्य हैं। उनसे बस दिखावा किया जाता है।

कांग्रेस के साथ समस्या यह है कि वह इस उलझन में फंसी हुई है कि किसके साथ गठबंधन किया जाए- चाहे यह ऊंची जातियों के साथ हो या दलितों के साथ। दोनों के बीच घोर विरोधी संबंध हैं। वह स्थानीय दलित नेताओं द्वारा गठित विभिन्न छोटे दलित उन्मुख दलों के साथ तालमेल को लेकर भी उलझन में है।

एक बात बिल्कुल स्पष्ट है कि कांशीराम की विरासत पर कब्ज़ा किया जा रहा है। सभी दल उन्हें और उनकी विचारधारा को पहचानने का प्रयास कर रहे हैं। 9 अक्टूबर को कांग्रेस ने उनके आदर्शों पर केंद्रित 'दलित गौरव यात्रा' शुरू की। सपा भी बाबासाहेब अंबेडकर और कांशीराम दोनों का आह्वान करते हुए 'संविधान बचाओ जन चौपाल' आयोजित कर रही है। राष्ट्रीय राजनीतिक दिग्गजों को अपने पाले में करने में माहिर आरएसएस ने सभी प्रतिस्पर्द्धियों को पछाड़ते हुए प्रतिस्पर्धा कड़ी कर दी है।

हाल के विधानसभा चुनावों में 35 प्रतिशत वोट शेयर के साथ समाजवादी पार्टी राज्य की सबसे बड़ी पार्टी है और यह इंडिया गठबंधन का हिस्सा भी है। यह एक मिथ्या आख्यान है कि मोदी के करिश्मे ने भाजपा को 2019 के चुनाव में 62 लोकसभा सीटें जीतने में मदद की थी। सच तो यह है कि पुलवामा में सैनिकों की हत्या के बाद की लहर मोदी और भाजपा के लिए आश्चर्यजनक रूप से लाभदायी साबित हुई। अगर पुलवामा कांड नहीं हुआ होता तो भाजपा की सबसे बुरी हार होती। तीन राज्यों में जीत का श्रेय मोदी को देते हुए, विश्लेषक अक्सर इन राज्यों में आरएसएस द्वारा निभाई गई भूमिका को नजरअंदाज कर देते हैं। यदि मोदी वास्तव में निर्णायक होते तो उन्होंने आरएसएस को इन राज्यों में आरएसएस कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री बनाने की अनुमति नहीं दी होती।

पावन प्रसंग

संभावनाएं जगाएं, सृष्टि सुंदर बनाएं

भगवान ने इंसान को बहुत उत्साह से बनाया है। जितना परिश्रम, जितनी योजना निधाता ने इंसान को गढ़ने में लगाए हैं-ऐसा प्रतीत होता है कि उतना परिश्रम भगवान ने अन्य किसी प्राणी के साथ नहीं किया। भगवान ने इंसान को एक विशेषता, मौलिकता और गुण देकर के भेजा है। इसे ऐसे भी कह सकते हैं कि यदि सृष्टा को अपनी सृष्टि चलाने में किसी प्राणी के सहयोग की आवश्यकता आन पड़े तो उसे मनुष्य के अतिरिक्त और कोई प्राणी सम्यक रीति से कर पाने में सक्षम नहीं है। उन्होंने इंसान के भीतर वह सारी शक्तियां और विभूतियां सजाकर के रख दी हैं, जो स्वयं परमेश्वर के भीतर थीं और इसीलिए इंसान को भगवान का अंश कहकर पुकारा जाता है। इंसान के भीतर वही विभूतियां हैं, वही शक्तियां हैं जो भगवान के भीतर हैं या हो सकती हैं। एक जैसी शक्तियां, एक जैसी विशेषताएं दोनों के ही भीतर हैं। शक्तियों की दृष्टि से देखें तो हम अन्य प्राणियों की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली हैं, ज्यादा सामर्थ्यवान हैं। संभव है कि शारीरिक बल की दृष्टि से हम हाथी, शेर, गैंडे इत्यादि से कमजोर सिद्ध हों, परंतु तब भी क्या यह सत्य यही कि ये ही इंसान हाथी पर महावत बनकर, शेर पर रिंग मास्टर बनकर सवारी करता नजर आता है। ऐसा इसलिए कि बौद्धिक दृष्टि से आत्मिक दृष्टि से जो शक्ति इंसान के पास है, वो दूसरों को नसीब नहीं है। इसीलिए जहां हम शारीरिक दृष्टि से कम पड़ते हैं, तो वहां-वहां उन दिक्कतों से पार पाने के लिए हमने दूसरे मार्ग खोज लिए हैं।

जैसे हम एक चीते से तेज नहीं दौड़ सकते हैं, पर हमारी बनाई कार दौड़ सकती है। हम हाथी से ज्यादा वजन नहीं उठा सकते, पर हमारी बनाई क्रेन तो उठा सकती है। हम मछली की तरह डुबकी नहीं लगा सकते पर हमारा द्वारा बनाई हुई पनडुब्बी तो है। हम पक्षियों की तरह उड़ नहीं सकते तो मनुष्यों द्वारा बनाया हवाई जहाज उड़ सकता है। कहने का अर्थ मात्र इतना है कि ईश्वर ने इंसान को ऐसी बौद्धिक क्षमता देकर भेजा है कि जिन-जिन क्षेत्रों में हम दूसरे प्राणियों से पिछड़ते दिखे, उन-उन क्षेत्रों में हमने शक्ति के या तो दूसरे स्रोत ढूंढ लिए या अन्य माध्यम ढूंढ लिए। इसके अतिरिक्त शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक ही नहीं, इंसान के पास आध्यात्मिक उन्नति के मार्ग भी खुले हैं।

अनेक महामानवों का जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि यदि मनुष्य अपने भीतर की दिव्य संभावना को जाग्रत करना जान जाता है तो वो ऋषि मुनि, सिद्ध, संत, महात्मा बनता दिखाई पड़ता है और उन संभावनाओं को साकार करता दिखाई पड़ता है, जो इंसानी गुणों की अंतिम पराकाष्ठा है। इतनी सारी महान संभावनाओं के होते हुए भी कई बार आश्चर्य होता है, जब मनुष्य को अत्यन्त तुच्छ, निकृष्ट जीवन जीते देखा जाता है। कई लोग शारीरिक समस्याओं के कारण जीवन में रुके-ठहरे नजर आते हैं तो कई लोग मानसिक उलझनों के शिकार हो जाते हैं। कुछ सामाजिक समस्याओं से परेशान हैं तो कइयों को भावनात्मक आघात निराश करते नजर आते हैं यदि ऐसी परेशानियां हममें से किसी की प्रगति को बाधा पहुंचाती दिखें तो हमें महापुरुषों के जीवन की ओर दृष्टि उठा के देखने की जरूरत है।

जो शारीरिक बीमारियों से कभी परेशान हों तो वो राणा सांगा के जीवनवृत्त को देखें, हरिसिंह नलवा की जिंदगी देखें, अष्टावक्र की जिंदगी देखें और यदि कभी मानसिक दिक्कतें हमें रोकने की कोशिश करें तो हम देखेंगे कि क्या ध्रुव, हरिश्चंद्र, गुरु गोविंद सिंह को भावनात्मक प्रतिघातों को सहन नहीं करना पड़ा था? जो सामाजिक विडंबना की राह पर चल पड़े हैं वे ये साचें कि हमारी समस्याएं कितनी भी बड़ी हों, पर सुदामा से ज्यादा, राणा प्रताप से ज्यादा पूज्य गुरुदेव से ज्यादा नहीं हैं।

सत्य यही है कि हममें से अनेकों के जीवन में कठिनाइयां इतनी ज्यादा या बड़ी नहीं होतीं पर हमें उनको बड़ा करके आंकने की आदत पड़ जाती है। हम सोचें कि हमारे पास जो संभावनाएं है, जो ताकतें हैं, उनका अंत नहीं है, पर जो संभावनाएं हैं, जो ताकतें हैं, उनका अंत नहीं हैं, पर हम अपने कर्तव्य को और भगवान को दिए अपने वचन को विस्मृत करके बैठ गए हैं। कर्तव्य यह है हमारा कि हम भगवान की बनाई इस सृष्टि के निगरानीकर्ता हैं इसको सुव्यवस्थित, सुंदर बनाए रखना कर्तव्य है हमारा।

अखंड ज्योति

आपके पत्र

विकसित गांव से विकसित भारत का सफर

पिछले कुछ दशकों में भारत ने दुनिया के अन्य देशों की तुलना में तेज़ी से तरक्की की है। अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में तो यह विश्व में अग्रणी भूमिका निभाने को तैयार है। दुनिया की लगभग सभी रेटिंग एजेंसियों ने भारत को अगले कुछ सालों में विश्व की सबसे तेज़ उभरती अर्थव्यस्था वाला देश घोषित किया है। यही कारण है कि आज लगभग सभी बड़ी कंपनियां भारत में निवेश करने को प्राथमिकता दे रही है। प्रधानमंत्री के हर विदेश दौरे में बड़ी-बड़ी कंपनियों के सीईओ उनके साथ एक मीटिंग के लिए उत्सुक नज़र आते हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था में तेज़ी इस बात की परिचायक बनती जा रही है कि अगले कुछ सालों में भारत दुनिया का तीसरा और एक दशक के अंदर दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनने वाला है। केंद्र सरकार भी देश की सभी राज्यों की सरकार के साथ मिलकर लगभग सभी राज्यों में निवेश के विकल्पों को तलाश रही है।

किसी भी अर्थव्यवस्था की मज़बूती के लिए सबसे पहले वहां बुनियादी सुविधाओं का पूरा होना पहली शर्त होती है। लेकिन अभी भी देश के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां इनका सबसे अधिक अभाव नज़र आता है। जो ग्रामीण क्षेत्र शहरी क्षेत्रों के करीब हैं वहां तो बुनियादी सुविधाएं पहुंच रही हैं लेकिन अब भी कई ऐसे दूरदराज़ के इलाके हैं जहां इनका अभाव नज़र आता है। इन्हीं में एक पहाड़ी राज्य उत्तराखंड का मिकीला गांव है। जहां सड़क और अस्पताल जैसी ज़रूरी चीज़ों का भी घोर अभाव है। राज्य के बागेश्वर जिले से करीब 48 किमी दूर और ब्लॉक कपकोट से 23 किमी दूर इस गांव में पहुंचना भी किसी चुनौती से कम नहीं है। गांव में न तो बेहतर सड़क है और न ही अस्पताल की सुविधा उपलब्ध है। इस संबंध में गांव के एक 42 वर्षीय हेमंत दानू कहते हैं कि पिछले कई दशकों से गांव वाले इन्हीं अभावों में जीने को मजबूर हैं। किसी प्रकार ग्रामीण अपना जीवन बसर कर रहे हैं। वह आरोप लगाते हैं कि इतने वर्षों में कभी भी कोई प्रशासनिक अधिकारी या संबंधित विभाग के लोग इस गांव की स्थिति के बारे में जानने नहीं आये। हेमंत के साथ ही खड़े खेती किसानी करने वाले 40 वर्षीय संतोष कपकोटी कहते हैं कि केवल प्रशासनिक अधिकारी ही नहीं बल्कि कोई जनप्रतिनिधि भी हमारा हाल जानने नहीं आता है। लोग चुनाव के समय वादा करते हैं लेकिन पूरा नहीं होता है।

इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता नीलम ग्रैंडी कहती हैं कि किसी भी गांव के विकास के लिए अन्य विषयों के साथ-साथ सड़क और अस्पताल भी बहुत ज़रूरी है। यह गांव की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती हैं। ऐसे में इसके विकास को प्राथमिकता देने की ज़रूरत है। वह कहती हैं कि अब बर्फ़बारी का मौसम शुरू हो चुका है। रास्ते बर्फ से ढंक जाएंगे जिससे होकर गुज़रना खतरे से खाली नहीं होता है। जहां सड़कें अच्छी हालत में होती है वहां लोगों को किसी भी मौसम में कठिनाई नहीं है लेकिन जर्जर सड़क के कारण मिकीला गांव इस दौरान अन्य क्षेत्रों से कट जाता है। यह न केवल लोगों के लिए परेशानी का सबब है बल्कि गांव को विकास की राह में और भी पीछे ढ़केल देता है। यह न केवल गांव के विकास बल्कि विकसित भारत के सपने को पूरा करने में भी रुकावट है।

हेमा मर्तोलिया, कपकोट उत्तराखंड

आनंद विभाग के अल्पविराम कार्यक्रम में नव आरक्षकों को दिए खुशहाली के टिप्स

सही और गलत के बीच लाइन मिटा देने पर होते हैं दुखी : अमित

छतरपुर, देशबन्धु। पुलिस लाइन में राज्य आनंद संस्थान द्वारा आयोजित एक दिवसीय अल्पविराम कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक अमित सांघी ने कहा कि नवनियुक्त पुलिस आरक्षकों को जीवन में खुशहाली के आधार जानना बहुत जरूरी है क्योंकि पुलिस विभाग की नौकरी अन्य विभागों से बिल्कुल अलग है।

उन्होंने कहा जब अन्य लोग उत्सव मनाते हैं तब पुलिस ड्यूटी पर होती है। आनंद विभाग की ओर से मास्टर ट्रेनर लखनलाल असाटी, आशा असाटी, नीलम पांडे, केएन सोमन, रामकृपाल यादव, शिवनारायण पटेल, कृष्ण पाल सिंह परिहार तथा अमित जैन द्वारा अल्पविराम संपन्न कराया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा सिपाही को अपनी वर्दी पर गर्व होना चाहिए और उसे इसकी गरिमा बनाकर रखना चाहिए क्योंकि यह वर्दी हर किसी को नहीं मिलती है, वह खुद पांच जिलों के एसपी रहे पर अधिकांश समय वह

अपनी वर्दी में ही रहना पसंद करते हैं, खुशहाली की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अगर हमने अपनी आवश्यकताओं की पहचान कर ली तो कभी दुखी नहीं होंगे, खुद के स्वास्थ्य, परिवार की खुशहाली और निष्ठा पूर्ण नौकरी के लिए टाइम मैनेजमेंट बहुत आवश्यक है।लखन लाल असाटी ने मैं और शरीर के सह अस्तित्व को मानव बताते हुए दोनों की आवश्यकताओं, क्रियायो और रिस्पांस पर विस्तार से बातचीत की। दोनों की स्पष्टता हो जाने पर सुविधा, संबंध और समझ पर ठीक-ठाक काम हो जाता है और उसकी प्राथमिकता भी ठीक-ठाक तय हो जाती है। मास्टर ट्रेनर आशा असाटी ने जीवन का लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए चार प्रश्नों पर सूचिया बनाने को कहा कि उन्होंने किन-किन की निस्वार्थ भाव से मदद की है, उन्हें किस-किस की मदद मिली है उन्हें किसने दुख दिया है और उन्होंने किस-किस को दुख दिया है। सूबेदार प्रभा सिलावट ने इस प्रेरणादायक कार्यक्रम के लिए आनंद विभाग की सराहना की।

आरक्षक ब्रजराज यादव, अंकित पटेल, छोटेलाल कुशवाहा, शिवम मिश्रा, दिव्यानंद नामदेव, आराधना, गायत्री अहिरवार, जागृति चढर, पूनम मिश्रा, आरती यादव, शोभना राय, मुस्कान तोमर आदि ने कहा कि आज उनका ध्यान खुद की ओर गया है आवश्यकताओं की पहचान हुई है, जीवन का लेखा-जोखा बना पाए हैं, मदद कृतज्ञता और क्षमा के भाव पर ध्यान गया है।

राष्ट्रीय कैनो चैंपियनशिप में मप्र की शानदार शुरुआत, पहले दिन ही जीते 8 पदक

भोपाल, देशबन्धु। संजीव सिंह स्मृति 34वीं राष्ट्रीय सीनियर महिला व पुरुष कयाकिंग एवं कैनोइंग चैंपियनशिप में पहले दिन मप्र के खिलाड़ियों ने जोरदार प्रदर्शन कर आठ पदक जीते। वहीं एसएससीबी ने छह स्वर्ण के साथ अपना दबदबा कायम रखा।

भारतीय कयाकिंग एवं कैनोइंग तथा मप्र कयाकिंग एवं कैनोइंग संघ के तत्वावधान में राजधानी के छोटे तालाब पर कैनो स्पोटर्स का रोमांच शुरू हुआ। पहले दिन 1000 मी के कुल 12 फाइनल मुकाबले खेले गए। इसमें मप्र ने दो रजत व छह कांस्य पदक जीते। मप्र ने पुरुष व महिला वर्ग दोनों में चार चार पदक जीते। पुरुष वर्ग के के-4 इवेंट में एसएससीबी ने स्वर्ण, मणिपुर ने रजत व मप्र ने कांस्य पदक जीता, मप्र टीम में आदित्य सैनी, अक्षित बरोई, विशाल दांगी व हिमांशु टंडन शामिल थे। पुरुष वर्ग के के-2 इवेंट में मप्र के अक्षित बरोई व विशाल दांगी ने कांस्य पदक जीता। इस इवेंट में एसएससीबी ने स्वर्ण व ओडिशा ने रजत पदक जीता। पुरुषों के सी-2 इवेंट में मप्र के एन नरेश सिंह व प्रिंस गोस्वामी ने रजत पदक जीता। इस इवेंट में एसएससीबी ने स्वर्ण व ओडिशा ने कांस्य पदक जीता। पुरुषों के के-1 इवेंट में मप्र के मंजीत निंगोम्बम ने कांस्य पदक जीता। इस इवेंट में एसएससीबी के एल नाओचा ने स्वर्ण व आईपी के प्रभात कुमार ने रजत पदक जीता।

वहीं महिलाओं के सी-2 इवेंट में मप्र की मासूमा यादव व परविंदर कौर की जोडी ने रजत पदक जीता। इस इवेंट में स्वर्ण पदक ओडिशा व कांस्य मणिपुर ने जीता। महिलाओं के के-4 इवेंट में मप्र की चोकडी ने कांस्य पदक जीता। ओडिशा ने स्वर्ण व केरल ने रजत पदक जीता। कांस्य पदक विजेता मप्र टीम में आस्था दांगी, स्वाति गुप्ता, रूकमणी दांगी व डाली विश्नोई शामिल थी। महिलाओं के सी-4 इवेंट में मप्र ने कांस्य पदक जीता। केरल ने स्वर्ण व ओडिशा ने रजत पदक जीता। मप्र टीम में मासूमा यादव, परविंदर कौर, दीपा राजपूत व अंजली वशिष्ठ शामिल थे। महिलाओं के सी-1 इवेंट में मप्र की दीपा राजपूत ने कांस्य पदक जीता। इस इवेंट में केरल की अक्षय सुनील ने स्वर्ण व ओडिशा के एम सोफिया देवी ने रजत पदक जीता।

तेज आवाज में गाने बजाने पर पहली कार्रवाई

पुलिस ने साउंड सिस्टम किया जप्त, आरोपी फरार

भोपाल, देशबन्धु। राज्य सरकार के आदेश के बाद पुलिस ने ऐशबाग थाना क्षेत्र में स्थित मराठी मोहल्ले में तेज आवाज में संगीत बजाने पर पहली कार्रवाई की है। इसके तहत पुलिस ने साउंड सिस्टम और एक मोबाइल फोन को जब्त कर लिया है। लेकिन आरोपी युवक की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस ने उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

ऐशबाग थाना आशीष सप्रे के मुताबकि मराठी मोहल्ला में दीपक मारोडिया रहता है। वह डीजे का काम भी करता है। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात उसके परिवार में कार्यक्रम था। इसके लिए उसने घर के बाहर तीन बड़े स्पीकर बॉक्स और एम्प्लीफायर मशीन को रखकर तेज आवाज में फिल्मी गाने बजाना शुरू कर दिए। यहां कई लोग नाच भी रहे थे। मोहल्ले वालों ने इस बीच मामले की शिकायत थाने में फोन कर दी। जिसके बाद में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आरोपी दीपक मारोडिया मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके से एक एम्प्लीफायर, एक मोबाइल व तीन स्पीकर बॉक्स जब्त किए हैं। आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

परिचय सम्मेलन के दूसरे दिन चला मेल-मिलाप का सिलसिला

भोपाल, देशबन्धु। दिगंबर जैन मंदिर जवाहर चौक टीटी नगर में अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवक-युवती के तीन दिवसीय परिचय सम्मेलन के दूसरे दिन अपार भीड़ देखने का मिली। युवक -युवती एवं परिवारजनों का मिलन का सिलसिला जारी रहा। पूर्व वित्त मंत्री वर्तमान विधायक जयंत मलैया और महापौर मालती राय सम्मेलन में शामिल हुई। समिति के पदाधिकारी द्वारा उनका स्वागत-अभिनंदन किया गया।

समिति के सुनील जैनाविन ने बताया कि सम्मेलन में देश-विदेश से आए प्रतिभागियों ने अपने जीवन साथी की तलाश में अपना-अपना परिचय दिया। किसी ने घरेलू वर- वधु, तो किसी ने व्यवसाय नौकरी में दक्ष जीवनसाथी तथा परिवार को साथ निभाकर चलने की बात कही। लकी ड्रा के माध्यम से 30 प्रतिभागियों का चयन कर एक-एक सोने के सिक्के स्वर्णप्रभा ज्वेलर्स के माध्यम से प्रदान किए गए। सम्मेलन के दूसरे दिन मंच संचालन राजीव जैन,मनोज एम के चंद्र कुमार सरस्वती, आदित्य मनिया ने किया। इस सम्मेलन में यूएएस, कनाड़ा, यूरोप, यूके, आस्ट्रेलिया, सिंगापुर, आयरलैंड, नार्वे एवं दुबई के लगभग 150 एनआरआइ ने सम्मेलन में

भावी जीवन साथ की तलाश हेतु पंजीयन कराया है, जिसमें से अब तक 48 से अधिक सम्मेलन में शामिल हुए हैं। समाज के महामंत्री विनोद जैन ने बताया कि 20 युवा जो सिविल सर्विसेस में है, उन्होंने भी जीवन साथी की तलाश हेतु अपना पंजीयन कराया है।

मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ का अधिवेशन जनवरी में

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ की विभागीय समिति भोपाल की बैठक शनिवार को कर्मचारी भवन में आयोजित की गई, जिसमें त्रि-वार्षिक अधिवेशन के आयोजन पर चर्चा हुई। अधिवेशन को लेकर सभी विभागीय अध्यक्षों से सुझाव लिए गए। संघ के अध्यक्ष ने बताया कि अधिवेशन में प्रदेशभर से कर्मचारी आएंगे, इसके अलावा विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी भी उपस्थित होंगे। वे कहते हैं कि आवश्यक हुआ तो निर्वाचन भी किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तीन समितियों का गठन भी किया गया।

महिला के गले से मंगलसूत्र लूट मामले में 3 संदेही हिरासत में

भोपाल, देशबन्धु। रातीबड़ इलाके में बाइक सवार तीन बदमाशों ने शनिवार रात अपने पति व पोते के साथ पैदल जा रही महिला के गले से सोने का मंगलसूत्र झपट लिया था। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने तीन संदेहियों को हिरासत में लिया है। रविवार शाम तीनों को पूछताछ के लिए रातीबड़ पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है।

रातीबड़ थाना प्रभारी हेमंत श्रीवास्तव ने बताया कि बाल विहार कॉलोनी नीलबड़ निवासी शांति बिष्ट पति ठाकुर चंद उम्र 56 वर्ष गृहणी हैं। वह शनिवार रात करीब साढ़े 8 बजे अपने पति व पोते के साथ पैदल अपने घर से दुकान पर सामान लेने के लिए निकली थी। जब वह घर से कुछ दूर शासकीय स्कूल के पीछे पहुंची। तभी पीछे से आई काली बाइक सवार तीन बदमाशों में से एक ने महिला के गले से सोने का मंगलसूत्र झपट लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। लूट की वारदात के बाद महिला ने पति के साथ थाने पहुंच कर सूचना दी और अज्ञात बाइक सवार तीन बदमाशों के खिलाफ लूट का केस दर्ज कराया। इस मामले में क्राइम ब्रांच पुलिस ने हाउसिंग बोर्ड के रहने वाले अलफैज खान, ऐशबाग के रहने वाले फुरकान खान और यासीन को हिरासत में लिया। रविवार की शाम तीनों को पूछताछ के लिए रातीबड़ पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है।

भोजपाल महोत्सव मेले में प्रकृति और ऋत्विजा के गीतों पर झूमा भोपाल

भोपाल, देशबन्धु। भेल दशहरा मैदान पर चल रहे भोजपाल महोत्सव मेला के सांस्कृतिक मंच पर रविवार को प्लेबैक सिंगर देसी डुओ बैंड की बॉलीवुड नाइट में प्रकृति गिरी और ऋत्विजा ने अपनी सुमधुर आवाज का जादू बिखेरा। इनके द्वारा प्रस्तुत गीतों पर मेले में पहुंचे शहरवासी झूमने को मजबूर हो गए।

प्रकृति गिरी और ऋत्विजा ने रावता गीत से शुरुआत कर मेरा नाम चुन चुन चुन, मैं तेन्यू समझावा वे, जानम समझा करो, सतरंगा सांग सतरंगा, डांसिंग नम्बर, बॉलीवुड सांग्स और पंजाबी सांग्स की प्रस्तुति दी। यह दोनों कलाकार मुंबई से देसी डुओ बैंड के साथ प्रस्तुति देने भोपाल आई थीं। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि सेवा भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री रामेंद्र सिंह, मेला अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास वीरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम के साथ मेला टीम ने कलाकारों

के साथ की। मेला अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि मेले में 450 से ज्यादा स्टाल लगाए गए हैं। इन स्टालों में विभिन्न प्रकार की सामग्री उपलब्ध है। यहां घरेलू सामनों के लिए विभिन्न दुकानों के साथ ही सेल लगाए गए हैं। खान-पान के स्टालों पर अलग अलग प्रदेशों के विभिन्न अंचलों के व्यंजन का स्वाद मिल रहा है।

घरेलू हिंसा पीड़िता के लिए सहायता योजना

भोपाल, देशबन्धु। महिलाओं पर होने वाली घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण कानून में पीड़िता को व्यापक प्रावधान है। कई बार अपनों के हिंसात्मक व्यवहार से महिलाओं को स्थाई शारीरिक क्षति हो जाती है।

राज्य सरकार ने घरेलू हिंसा पीड़िता के लिए सहायता योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत अब महिला या बालिका को किसी अंग की स्थाई क्षति के फलस्वरूप 40 प्रतिशत से कम दिव्यांगता पर 2 लाख तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता पर 4 लाख रुपये तक का मुआवजा दिया जाएगा । इस मुआवजे के लिए पीड़ित या उसके आश्रित की ओर से घटना के एक वर्ष के भीतर संबंधित क्षेत्र के महिला एवं बाल विकास के परियोजना अधिकारी (संरक्षण अधिकारी) अथवा प्रशासक वन स्टॉप सेंटर को आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ घटना की एफआईआर प्रति संलग्न करना आवश्यक होगा। मेडिकल बोर्ड शारीरिक क्षति का आंकलन कर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति को प्रतिवेदन देगा, जिसके आधार पर समिति द्वारा मुआवजे की स्वीकृति दी जाएगी।

संभावना में गायन के साथ हुई नौरता की प्रस्तुति

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य, गायन एवं वादन पर केंद्रित संभावना गतिविधि में रविवार को सुश्री इशिका पाण्डे एवं साथी- सीधी द्वारा बघेली गायन एवं एमआरवी नायडू एवं साथी, कटनी द्वारा नौरता नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

गतिविधि की शुरूआत बघेली गायन से हुई, जिसमें सुश्री इशिका पांडे एवं साथी, सीधी द्वारा गौरी गणेश मनाऊं आज सुधि लीजे हमारी (गणेश वंदना), मगन भई देवी आज मोरे अंगना (देवी गीत), कहना से आई है पियरिया (सोहर गीत), एजी नगर अयोध्या बहुत नीक लागै (बेलनहाई), बलमा के जरै नौकरिया रे जिया जरि गै हमार (हास्य गीत), जैसे कई बघेली आंचलिक गीतों की प्रस्तुति दी। मंच पर गायन में इशिका पांडे, हारमोनियम पर रघुवीर शरण श्रीवास्तव, तबला पर हरिशरण श्रीवास्तव, ढोलक पर अमन साकेत, खंझनी पर हरिशंकर कुशवाहा ने संगत की।

अगले क्रम में एमआरवी नायडू एवं साथी, कटनी द्वारा नौरता नृत्य प्रस्तुति दी गई। बुन्देलखण्ड अंचल में नवरात्रि के अवसर पर कुँवारी कन्यायें नौरता नृत्य का आयोजन करती हैं। यह पूरे नौ दिन तक चलता है। घर के बाहर एक अलग स्थान पर गेरू, सेम के पत्तों का रंग, हल्दी तथा छुई का प्रयोग कर नौरता बनाया जाता है। कुँवारी कन्यायें अच्छे जीवनसाथी की मनोकामना के लिए नौरता नृत्य करती हैं।

विमला चांडक का निधन

भोपाल, देशबन्धु। ग्राम बेरडी के प्रतिष्ठित नागरिक और छिंदवाड़ा जिले में प्रगतिशील किसान के रूप में ख्यात रहे स्व. श्यामसुंदर चांडक की पत्नी विमला चांडक का 81 वर्ष की उम्र में आज सुबह सौंसर में निधन हो गया। वे लगभग एक साल से अस्वस्थ

धर्म निरपेक्ष मूल्यों की रक्षा का किया आव्हान

भोपाल, देशबन्धु। वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता और स्वाधीनता सेनानी कॉमरेड बालकृष्ण गुप्ता की जयंती पर उनकी स्मृति में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के तत्वावधान में रविवार को पार्टी के राज्य कार्यालय शाकिर सदन में धर्म निरपेक्ष मूल्यों की रक्षा का दायित्व और चुनौतियां विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।इस अवसर पर प्रबुद्ध वक्ताओं ने धर्म निरपेक्ष मूल्यों के लिए कॉमरेड गुप्ता की प्रतिबद्धता और प्रेरक अवदान का उल्लेख करते हुए भारत में फासीवाद के गहराते संकट को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की तथा भारत के संवैधानिक मूल्यों और मानव अधिकारों को कायम रखने के लिए धर्म निरपेक्ष मूल्यों की रक्षा करने तथा इस हेतु जनता को लामबंद करने का आव्हान किया।संगोष्ठी में मुख्य वक्ता वरिष्ठ साहित्यकार इकबाल मसूद ने कॉमरेड गुप्ता की धर्म निरपेक्ष मूल्यों के लिए गहरी प्रतिबद्धता के महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने फासीवाद के गहराते संकट और इसके दुष्परिणामों का विस्तार से उल्लेख करते हुए संस्कृति ,साहित्य और जनमानस में सदभाव,सहिष्णुता की सुदीर्घ परंपरा को रेखांकित किया। कॉमरेड मसूद ने कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने नफ़रत की राजनीति और डर का जो माहौल तैयार किया है वो समूची मानवता के लिए घातक है। मानवता को बचाने हेतु समूची जनता को प्रतिरोध करना चाहिए। इसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी कम्युनिस्ट पार्टियों पर ही है।

भाकपा नेता कॉमरेड सत्यम पांडे ने विषय प्रवर्तन करते हुए कॉमरेड गुप्ता के कम्युनिस्ट आंदोलन में प्रभावकारी योगदान और धर्म निरपेक्ष मूल्यों के लिए उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया । उन्होंने कहा कि धर्म निरपेक्ष मूल्यों की रक्षा हेतु जनता को लामबंद करना ही कॉमरेड बालकृष्ण गुप्ता को हमारी सच्ची और सार्थक श्रद्धांजलि है । एटक के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और भाकपा की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य कॉमरेड हरिद्वार सिंह ने विभिन्न संस्मरणों के माध्यम से कॉमरेड गुप्ता के महत्व और प्रभाव का उल्लेख किया। उन्होंने कबीर दास के दोहों के माध्यम से कट्टरपंथी ,प्रतिगामी ताकतों की जन विरोधी प्रवृत्तियों को रेखांकित किया तथा नफ़रत की राजनीति के प्रतिरोध हेतु जनता को लामबंद करने का आव्हान किया।भाकपा नेता कॉमरेड शैलेन्द्र शैली ने अध्यक्षीय वक्तव्य में कॉमरेड गुप्ता के बहु आयामी प्रेरक अवदान के संदर्भ में फासीवाद के खिलाफ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की ऐतिहासिक भूमिका का उल्लेख किया तथा वर्तमान में फासीवाद के गहराते संकट के प्रतिरोध और जनता को वैचारिक रूप में शिक्षित करने के लिए बहु आयामी,मैदानी कार्य करने का आव्हान किया।

कार्यालय प्राचार्य इंजीनियरिंग महाविद्यालय नौगांव

जिला-छतरपुर (म.प्र.)-471201
(म.प्र. शासन द्वारा वर्ष 2012 में स्थापित)
फोन (आफिस) 07685-292217,292218 फैक्स-07685-292217
ईमेल-enggcollegenowgong@rediffmail.com
वेबसाइट-www.necnowgong.in
क्रं./ई.सी.एन./कार्या./2023/463 नौगांव दिनांक 11.12.2023

विज्ञप्ति

इंजीनियरिंग महाविद्यालय, नौगांव, जिला-छतरपुर (म.प्र.) के मुख्य भवन परिसर में जनवरी 2024 से कैंटीन संचालित करने हेतु निविदा/विज्ञप्ति का विस्तरित विवरण महाविद्यालय की संस्था की वेबसाइट -www.necnowgong.in से डाउनलोट कर स्पष्ट रुप से भरकर दिनांक 26.12.2023 तक दोपहर 2.00 बजे तक कार्यालयीन कार्य दिवस में प्रस्तुत करें।

प्राचार्य
इंजीनियरिंग महाविद्यालय,
नौगांव जिला छतरपुर (म.प्र.)

जी-21861/23

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग, सागर

क्रमांक 2401/स.अ./ आवंटन/ सागर/2023 दिनांक 18.12.2023

भवन भूखण्ड हस्तान्तरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मण्डल कॉलोनी डॉ. हरिसिंह गौर नगर सागर में स्थित भूखण्ड क्रमांक एलआईजी 146 मंडल द्वारा श्री प्रेमनाथ नायक पिता श्री वंशीलाल नायक को आवंटित किया गया था। जिसका विक्रय विलेख मंडल द्वारा 03.11.2004 को निष्पादित कराया गया। श्री प्रेमनाथ नायक पिता श्री वंशीलाल नायक द्वारा उक्त भूखण्ड/भवन विक्रय विलेख निष्पादित दिनांक 23.02.2023 के माध्यम से श्री अमित जैन पिता श्री कमल कुमार जैन को विक्रय किया। श्री अमित जैन पिता श्री कमलकुमार जैन द्वारा उक्त भूखण्ड /भवन स्वयं के नाम से नामांतरित/हस्तांतरित कराने हेतु आवेदन/दस्तावेज/शपथ पत्र इस कार्यालय में प्रस्तुत किया गये है। यदि किसी व्यक्ति को संस्था या हित रखने वाले वैध व्यक्ति को हस्तान्तरण / नामान्तरण बावत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन होने से 15 दिवस के अन्दर लिखित में वैध आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात हस्तान्तरण / नामान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी का कोई दावा मान्य नही होगा ।

सम्पत्ति अधिकारी
म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग, सागर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड सागर (म.प्र.)

दूरभाष 07582-224269 E-mail- eephe_sagar@yahoo.co.in
क्र. 2958/ निविदा प्रकोष्ठ / का.यं. / लो.स्वा. यॉ./ खण्ड, सागर दिनॉक 14.12.2023

संक्षिप्त निविदा सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से सागर जिले के लोक स्वास्थय यांत्रिकीय विभाग खण्ड सागर क्षेत्रांतर्गत ग्रामों में शतप्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से जल प्रदाय हेतु नल जल योजना कार्य की आनलाईन निविदा http://www.mptenders.gov.in दिनांक 23.12.2023 सायं 5.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है ।

सं. क्रं.	निविदा क्रं. एवं दिनांक	ई-टेण्डर क्रमांक	ग्राम एवं विकास खण्ड का नाम	कार्य की अनुमानित लागत रूपये	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपये में
1	क. 54/ 14.12.2023	2023_ PHED_ 319897_1	1. BADARCHUAA 2. GOPALPURA 3. GUDAKHURD 4. GUGRIKHED 5. KUDPURA 6. MAHENDRA 7. SALAIYA 8. CHHEWALA 9. DIKUAA 10. DOBHI 11. JHINPINI 12. MAARPAN 13. MADALA 14. RAMGADA 15. SARRAKALA 16. MADHIYA BUJURG 17. PADARIYA 18. SANDAI Block - Rehli	413.58	413580/-	15000/-

निविदा में संशोधन ऑनलाईन ही देंखे जा सकेगें ।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड सागर

जी-21839/23

विकसित भारत संकल्प यात्रा जनहित और अंत्योदय कल्याण का प्रतीकः चतुर्वेदी

टीकमगढ, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में 16 दिसम्बर से विकसित भारत संकल्प यात्रा आरंभ हो चुकी है। आज ग्राम पंचायत पहाड़ी खुर्द में भाजपा के वरिष्ठ नेता विवेक चतुर्वेदी, जनपद के सीईओ आशीष अग्रवाल, सरदार सिंह यादव, भाजपा की जिला मंत्री पूनम अग्रवाल मुन्ना लाल साहू, सोबरन कुशवाहा, प्रफुल्ल द्विवेदी की उपस्थिति में ग्राम पंचायत पहाड़ी खुर्द में विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम किया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता विवेक चतुर्वेदी जी ने कहा कि भारत के लाड़ले नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप जनहित और जनकल्याण के लिए आरंभ की गई। यात्रा का क्रियान्वयन मोदी जी की गारंटी की साख और गरिमा के अनुरूप होगा। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार की जनहितैषी योजनाओं, लाभों और सुविधाओं के बारे में जागरूकता सुनिश्चित करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजना की पहुंच को सुगम बनाने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा आरंभ की गई है। प्रमुख योजनाओं का लाभ लाभार्थियों, विशेष तौर से वंचित व आकांक्षी लोगों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाना, योजनाओं का प्रचार-प्रसार और जागरूकता, लाभार्थियों के अनुभव साझा करना और संभावित लाभार्थियों का चयन तथा नामांकन सुनिश्चित करना यात्रा का उद्देश्य है। 26 जनवरी 2024 को यात्रा का समापन होगा। विकसित भारत संकल्प यात्रा टीकमगढ़ जिले के सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों में विकास के संकल्पों के साथ होगी। उन्होंने कहा कि एक जगह जहां पर यात्रा खत्म होगी, वहां से दूसरे गांव के लोग इस यात्रा की अगुवाई करेंगे। विकसित भारत के संकल्प के साथ मोदी की गारंटी वाली गाड़ी जिले के कोने-कोने में पहुंचेगी। उन्होंने ने कहा कि अमृत मिशन हो या स्मार्ट सिटी मिशन, इनके तहत छोटे शहरों में मूल सुविधाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। गरीब हो, न्यू मिडिल क्लास हो, मिडिल क्लास हो या संपन्न परिवार हो, हर किसी को बढ़ती हुई सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। विवेक चतुर्वेदी जी ने कहा कि भाजपा सरकार जनता की सरकार है। जिसने गरीबों, किसानों, छोटे व्यापारियों और समाज के विभिन्न वर्गों की मदद की है। स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक विकास का लाभ कुछ बड़े शहरों तक ही सीमित था। लेकिन हमारी सरकार छोटे शहरों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है और इससे विकसित भारत की नींव मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने 15 नवंबर को झारखंड के खूंटी से विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य देश के कोने-कोने में लोगों को केंद्र सरकार की

योजनाओं के बारे में बताना और उसका लाभ उठाने के लिए उन्हें प्रेरित करना है। प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी, विकास और जनकल्याण की गारंटी है। अंत्योदय के लक्ष्य की प्राप्ति तथा विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में यह यात्रा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, यह जनसेवा का महायज्ञ है। देश के हर नागरिक तक मोदी सरकार की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो। इस लक्ष्य के साथ शुरू हुई विकसित भारत संकल्प यात्रा का टीकमगढ़ जिले की विधानसभा में हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है। विकास के इस महत्वपूर्ण यात्रा में आप सभी सादर आमंत्रित हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुँचाने का माध्यम बन रही है। विकसित भारत का निर्माण और अंत्योदय का हमारा संकल्प इस यात्रा के माध्यम से साकार हो रहा है। भारत को विकासशील से एक विकसित देश बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए 140 करोड़ भारतीयों को एक साथ आगे बढ़ना होगा। इसी विचार से प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत की गई है, ताकि सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ समस्त देशवासियों को सुनिश्चित हो सके। पीएम मोदी ने राजनीति की संस्कृति बदल दी है। मोदी जी ने जो कहा था, वो किया है और जो नहीं कहा था, वो भी करके दिया है। आज के समय में जनता रिपोर्ट कार्ड की राजनीति पर विश्वास करती है। अब दुनिया में ये साबित हो गया है कि मोदी की गारंटी, गारंटी पूरा होने की भी गारंटी है। सत्ता हमारे लिए गरीब जनता की सेवा करने और उसे ताकत देने का माध्यम है। भाजपा के कार्यकर्ताओं से भारत और टीकमगढ़ की जनता को बहुत आशाएं हैं। इसलिए संयम और प्रेम के साथ सभी को साथ जोड़कर हमें चलना है। मोदी जी के नेतृत्व में देश के 13.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। अब भारत में अति गरीबी 1 प्रतिशत से भी कम रह गई है। ये है मोदी जी की गारंटी। मोदी जी की सरकार ने हर घर तक नल से जल पहुंचाया है। आवासहीनों को पक्का घर मिल रहा है, निशुल्क गैस कनेक्शन दिया जा रहा है। हमने दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ योजना आयुष्मान भारत योजना हमने शुरू की। जिससे चिन्हित हॉस्पिटल में 5 लाख प्रति वर्ष के मुफ्त इलाज की गारंटी है। 3 राज्यों की हमारी इस जीत ने तथाकथित राजनीति के ज्ञानियों को भी स्तब्ध किया है। क्योंकि वो राजनीति के गणित को पहचान नहीं पाते। राजनीति की गहराइयों को जान नहीं पाते। वो समझ नहीं पाते कि ये कैसे हो गया। कैसे हो गया, सोचने वालो को जानना चाहिए कि यह भाजपा सरकार की नीति नियति और जन हितैषी योजनाओं सहित मोदी की विश्वसनियता का कमाल है। जब कोरोना का इतना बड़ा संकट आया था, तो सरकार ने आपकी मदद करने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी। हमारी सरकार ने कोरोना के संकट के दौरान सभी की सुरक्षा हेतु महत्वपूर्ण कदम उठाए कोरोना के इलाज हेतु पूरी ब्यवस्था की ये हमारी सरकार है, जिसने हर व्यक्ति को कोरोना की मुफ्त वैक्सीन सुनिश्चित कराई। विशाल राष्ट्र भारत में सबको निशुल्क वैक्सीन देना वह भी कम से कम समय मे अपने आप में यह चुनौतीपूर्ण कार्य था, जिसे हमारी सरकार ने कर दिखाया है। हमारी सरकार ने ही कोरोना काल में हर गरीब के लिए मुफ्त राशन की योजना शुरू की। आज पीएम स्वनिधि योजना से रेहड़ी, पटरी वाले साथियों को बैंकों से सस्ता और आसान ऋण मिल रहा है। देश में 50 लाख से अधिक ऐसे साथियों को बैंकों से मदद मिल चुकी है। इस यात्रा के दौरान भी लाखों लोगों ने मौके पर ही पीएम स्वनिधि के लिए आवेदन किया है। इस योजना के 75 प्रतिशत से अधिक लाभार्थी दलित, पिछड़े और आदिवासी समाज के साथी है, इसमें भी करीब 45 प्रतिशत लाभार्थी हमारी बहनें हैं। यानी जिनके पास बैंक में रखने के लिए कोई गारंटी नहीं थी, मोदी की गारंटी उनके काम आ रही है। विकसित भारत के संकल्प में हमारे शहरों की बहुत बड़ी भूमिका है। आजादी के लंबे समय तक जो भी विकास हुआ। उसका दायरा देश के कुछ बड़े शहरों तक सीमित रहा। लेकिन आज हम देश के टीयर 2 और टीयर 3 शहरों के विकास पर बल दे रहे हैं। देश के सैंकड़ों छोटे शहर ही विकसित भारत की भव्य इमारत को सशक्त करने वाले हैं। विकसित भारत के संकल्प के साथ मोदी की गारंटी वाली गाड़ी देश के कोने-कोने में पहुंच रही है। इस यात्रा को शुरू हुए एक महीना पूरा हो चुका है। इस एक महीने में ये यात्रा हजारों गांवों के साथ-साथ डेढ़ हजार शहरों में भी पहुंच चुकी है। इनमें से अधिकतर छोटे शहर हैं। भारतीय राजनीति ने मोदी जी जैसा दूरदृष्टि पूर्ण और अथाह परिश्रम करने वाला न राजनीतिक नेता देखा है, न प्रधानमंत्री देखा है और न ही पार्टी का लीडर देखा है। मोदी जी ने राजनीतिक नेता के रूप में राजनीति के अंदर लोकतांत्रिक मूल्य और सुचिता को प्रस्थापित करने के लिए राजनीति में बड़े प्रयास किए। जिसके सकारात्मक परिणाम प्रमाण सहित उपलब्ध है। कार्यक्रम में जिला मंत्री पूनम अग्रवाल ने लोगों को संबोधित किया एवं योजनाओं की जानकारी दी। मुन्ना साहू, प्रफुल्ल द्विवेदी, सोवरन कुशवाह, सरदार सिंह यादव, जगदीश यादव, चक्की विश्वकर्मा, बालक दास यादव, गुलाब यादव, सचिन, जग प्रसाद यादव, सुनील जोगी, राकेश साहू, राकेश मिश्रा, स्वप्निल जैन सहित अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी प्रस्तुति दी, इसके बाद पुरस्कार वितरण किया गया।

पर्यावरण सुरक्षाः छात्र-छात्राओं तथा अध्यापकों ने लोगों को किया जागरूक

टीकमगढ़, देशबन्धु। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शोभाराम रोशन के निर्देशन तथा सिविल सर्जन डॉ अमित शुक्ला के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय में पर्यावरण सुरक्षा हेतु अशासकीय ग्वालियर पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं तथा अध्यापकों द्वारा पर्यावरण सुरक्षा हेतु गाने एवं स्लोगन के माध्यम से जन समुदाय को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत जिला चिकित्सालय प्रबन्धक डॉ अंकुर साहू द्वारा बच्चों को पर्यावरण में प्रदूषण किस तरह फैल रहा है एवं उसके रोकथाम और चिकित्सालय परिसर में प्रदूषण को रोकने के लिए प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने पर जोर दिया गया। इस दौरान क्वालिटी मॉनिटर भारती सिंगरौली द्वारा छात्र-छात्राओं को हाथ धुलाई के स्टेप्स एवं मनोरंजन के तरीके से सिखाये गये एवं बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता को कैसे रखें, बताया गया। इस अवसर पर स्कूल के अध्यापक, स्कूल के बच्चे, चिकित्सालय के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

ट्रैफिक प्रभारी ने चौराहे पर वाहन चलाने के बताएं नियम

टीकमगढ़, देशबन्धु। ट्रैफिक प्रभारी ने चौराहे पर वाहन चलाने के चालकों एवं राहगीरों को नियम बताए। काफी दिनों से शहर की ट्रैफिक व्यवस्था बेहाल बनी हुई है। उसके चलते आज अंबेडकर चौराहे पर यातायात प्रभारी केके पटेल द्वारा चौराहों पर बैरिकेड लगवा कर चौराहे की गरिमा बनाने के लिए वाहनों को चौराहे पर कैसे चलना है, उसके नियम समझाएं। अभी कुछ दिनों से मनमर्जी से वाहन चलाए जा रहे थे, जिसको जहां रास्ता मिलता था। वहां से वाहन लेकर निकल जाता था, लेकिन वाहन चालक दिशा को लेकर कोई कदम नहीं उठाया जाता था। उसके चलते आज दिशा निर्देश दिए गए हैं कि वाहनों को चौराहे पर कैसे निकालना है, ताकी कोई अवस्था ना हो।

गुणवत्ता प्रमाण प्राप्त करने वाला एकमात्र हेल्थ वेलनेस सेंटर बन गया नन्नी टेहरी

टीकमगढ़, देशबन्धु। विकासखण्ड बड़ागांव अंतर्गत हैल्थ वेलनेस सेंटर उप स्वास्थ्य केन्द्र नन्नी टेहरी एनक्यूपीएस कार्यक्रम अंतर्गत राष्ट्रीय मूल्यांकन पश्चात राष्ट्रीय स्तर पर गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त करने वाला जिला का एकमात्र हेल्थ वेलनेस सेंटर बन गया है। अपर सचिव एवं मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, भारत सरकार दिल्ली के अर्द्धशासकीय पत्र क्रमांक डीओएन एनएचएसआरसी/सीयू/23-24/ एमपी दिनांक 07 दिसंबर 2023 के द्वारा विकासखण्ड बड़ागांव अंतर्गत हैल्थ वेलनेस सेंटर, उप स्वास्थ्य केन्द्र नन्नी टेहरी को एनक्यू एएस कार्यक्रम अंतर्गत मूल्यांकन पश्चात राष्ट्रीय स्तर पर गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त करने पर बधाई दी है। एनक्यू एएस कार्यक्रम अंतर्गत गुणवत्ता प्रमाणन हेतु प्रदेश की मात्र 9 संस्थाऐं ही चयनित हुई है। जिसमें टीकमगढ़ जिले की एक मात्र संस्था हैल्थ वेलनेस सेंटर उप स्वास्थ्य केन्द्र नन्नी टेहरी है। भारत सरकार द्वारा निर्धारित राष्ट्रीय मापदण्ड अनुसार हेल्थ वेलनेस सेंटर बनाए जाते हैं। उप स्वास्थ्य केन्द्र पर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्तांपूर्ण उपलब्धता, राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं योजनओं के सुचारू क्रियान्वयन को परखा जाता है। बताया गया है कि कर्मचारियों की कार्यक्षमता बृद्धि हेतु भारत सरकार द्वारा विकसित एनक्यूएएस मापदण्ड अनुसार नेशनल अससमेंट हेतु राष्ट्र स्तरीय टीम ने 30 एवं 31 अक्टूबर एवं 01 नवंबर 2023 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव अंतर्गत मूल्यांकन किया था। यहां के तीन हैल्थ वेलनेस सेंटर नन्नी टेहरी, पठा एवं अमरपुर का निर्धारित मापदंडों पर मूल्यांकन किया था। जिसमें से नन्नी टेहरी को क्वालिटी प्रमाणन पाने में सफलता मिली है। कलेक्टर जिला टीकमगढ़ के निर्देशन एनक्यूएएस मापदण्ड अनुसार विकासखण्ड की संस्थाओं का उन्नयन किया गया है। असेसमेंट में जिला स्तर से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला टीकमगढ़ डॉ शोभाराम रोशन, जिला स्वास्थ्य अधिकारी प्रथम एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक जिला टीकमगढ़ डां पीके माहौर, जिला सीपीएचसी कंसलटेंट, जिला एम एण्ड ई एवं जिला समन्वयक मध्यप्रदेश सीआईएनआई टीम सम्मिलित रहें। संस्था की इस सफलता पर डां शांतनु दीक्षित खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बड़ागांव द्वारा कलेक्टर जिला टीकमगढ़ एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला टीकमगढ़ को उनके मार्गदर्शन एंव समर्थन हेतु आभार प्रकट किया है। इस मूल्यांकन में जिला स्तर से सहयोग करने वाले जिला स्वास्थ्य अधिकारी प्रथम एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक जिला टीकमगढ़ डां पीके माहौर, जिला सीपीएचसी कंसलटेंट, जिला एम एण्ड ई, जिला समन्वपयक मध्यप्रदेश सीआईएनआई टीम को भी सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही परिणाम के लिए डॉ रवि प्रकाश पुरोहित सेक्टर मेडीकल ऑफीसर बुडेरा, श्रीमती रोशनी चौहान सीएचओ, श्रीमती सीमा कुशवाहा एएनएम, आशा पर्यवेक्षक समस्त आशा कार्यकर्त्ता सहित सहयोग करने वाले सभी कर्मचारियों को मेहनत, समर्पण एवं सफल प्रयासों के लिए बधाई एंव शुभकामनाऐं प्रकट की हैं। ज्ञात हो कि विकासखण्ड बड़ागांव अंतर्गत संस्था सीएचसी बड़ागांव भी भारत सरकार के एनक्यूएएस कार्यक्रम अंतर्गत राज्य स्तरीय मूल्यांकन में सफल होकर राष्ट्रीय मूल्यांकन हेतु चिन्हांकित एवं लक्ष्य कार्यक्रम अंतर्गत क्वालिटी प्रमाणित होने में सफल एवं कायाकाल्प मूल्यांकन में भी राज्य स्तर पर पुरस्कृत हो चुकी है।

विशुद्ध सागर का जन्मोत्सव मनाया, बांटी खिचड़ी

टीकमगढ़, देशबन्धु। जैन आचार्य श्री 108 शिरोमणि आचार्य गुरुवार विशुद्ध सागर महाराज का 52वां जन्म दिवस धूमधाम से मनाया गया। आचार्य श्री के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में रॉयल ग्रुप 25 नंबर युवा साथियों द्वारा नगर के गांधी चौराहे पर आचार्यश्री की आरती पूजन किया गया। इसके उपरान्त समस्त नगर में मिष्ठान एवं खिचड़ी वितरण की गई। जिसमें प्रमुख रूप से युवा साथी ने अपना सहयोग दिया। कार्यक्रम 12 बजे से शाम 4 बजे तक किया गया। रॉयल ग्रुप के ऋषि, प्रणव, जय पद्मश्री, गोलू, स्वदेश, गौरव, जितेंद्र, सत्यम, सम्यक सोम, अक्षय, आलेख एवं समस्त रॉयल ग्रुप परिवार ने बताया आचार्य श्री के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में ऐसे ही आयोजन हमारी टीम हर साल करती है।

पटैती भूमि पर सीसी सड़क डाले जाने का मामला

किसान ने तहसीलदार समेत सीईओ को आवेदन पत्र सौंपकर लगाई न्याय की गुहार

पलेरा, देशबन्धु। जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मगरई में एक किसान की भूमि पर सीसी सड़क डाले जाने का मामला सामने आया है। किसान ने पूरे मामले की शिकायत नगर की तहसीलदार डॉक्टर अवंतिका तिवारी समेत सीईओ सिद्धगोपाल वर्मा को शिकायती आवेदन पत्र सौंपकर की है। ग्राम पंचायत मगरई निवासी जयप्रकाश विश्वकर्मा ने बताया कि उसकी निजी भूमि खसरा नंबर 257 स्थित ग्राम मगरई में ग्राम के सरपंच-सचिव द्वारा जबरन सीसी सड़क डाली जा रही है। किसान ने बताया कि उक्त निजी भूमि पर मनमाने तरीके से शासकीय निर्माण कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। किसान जयप्रकाश विश्वकर्मा ने बताया कि मुख्य सड़क से हनुमान जी के मंदिर तक सरपंच-सचिव द्वारा जबरन कार्य किया जा रहा है। मना करने पर अपशब्द बोले जाते हैं। उक्त पूरे मामले में किसान जयप्रकाश विश्वकर्मा द्वारा तहसीलदार एवं सीईओ को आवेदन पत्र देकर तत्काल निर्माण कार्य रोकते हुए कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है।

श्रीराम विवाह महोत्सव पर हुए नेंगचार एवं भजन-कीर्तन

सीता जी तौ दुल्हन बन गई, राम बनें दूल्हा प्यारे, देख-देख शोभा हारे....

टीकमगढ़, देशबन्धु। डीजे पर युवक युवतियां थिरक रहे थे। आकाश में आतिशबाजी की जा रही थी। महिलाएं कलश सिर पर रखे टीका के लिए खड़ी हुई थीं। चारों ओर तिलक लगाए बाराती झूम रहे थे। भजन-कीर्तन के साथ ही अनेक गीतों ने शादी समारोह में चार चांद लगा दिए। बढ़ी संख्या में श्रद्धालुओं का देर रात तक तांता लगा रहा। यह अवसर था यहां चल रहे सिया-राम विवाहोत्सव का। शहर के नजरबाग स्थित प्राचीन श्रीराम जानकी मंदिर में रविवार को श्रीराम विवाह महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। शाम 7 बजे गाजे-बाजे के साथ भगवान श्रीराम की बारात निकाली गई। इस दौरान दूल्हा बने श्रीराम की मूर्ति को पालकी में विराजमान किया गया। बारात में श्रद्धालुओं ने जमकर डांस किया। नगर भ्रमण के दौरान भक्तों ने दूल्हा सरकार का तिलक कर आरती उतारी। मंदिर के पुजारी सुरेंद्र मोहन द्विवेदी ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी श्रीराम विवाह महोत्सव उत्साह के साथ मनाया गया। श्रीराम विवाह महोत्सव के शनिवार को मंदिर परिसर में भगवान के विवाह का मंडप सजाया गया। साथ ही हल्दी की रस्म पूरी की गई। इसके साथ ही सुंदरकांड पाठ और प्रसाद वितरण का आयोजन हुआ। रविवार शाम मंदिर से दूल्हा बने भगवान श्रीराम की गाजे-बाजे के साथ बारात निकाली गई। नगर भ्रमण के बाद बारात वापस मंदिर पहुंची। इस दौरान महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर बारात का स्वागत किया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान श्रीराम और माता जानकी के विवाह की रस्में पूरी कराई गई। उन्होंने बताया कि देर रात तक भगवान के पाणिग्रहण संस्कार के कार्यक्रम चलते रहे। महिलाओं ने दूल्हन सीता जू के पांव पखारे, वहीं अन्य नेंगचार विधि-विधान से किए गए।

पालकी में विराजमान होकर निकले दुल्हा सरकार, जमकर नाचे बाराती, लगाए ठुमके

उपलक्ष्य में मंदिर परिसर में पांच दिवसीय समारोह का आयोजन रखा गया है। गुरुवार रात लग्न कार्यक्रम के साथ समारोह की शुरुआत हुई। शुक्रवार को गणेश पूजन के साथ महिला संगीत और भजन कीर्तन हुए।

मंदिर परिसर में हुई जोरदार आतिशबाजी

भगवान श्रीराम की बारात जैसे ही नगर भ्रमण के बाद मंदिर पहुंची तो परिसर में जोरदार आतिशबाजी की गई। महिलाओं ने मंगल गीत गाकर दूल्हा बने भगवान श्रीराम का स्वागत किया। इस दौरान भक्त भाव विभोर होकर झूम उठे। इसके बाद मंदिर में सजाए गए मंडप के नीचे भगवान श्रीराम और माता जानकी के विवाह की रस्में पूरी कराई गई। महिलाओं ने मंगल गीत गाए। सीता जू तौ दुल्हन बन गई, राम बने दूल्हा प्यारे, देख-देख शोभा हारे...। हरे बांस मंडप छाए, सिया जू खौं राम ब्याहन आए..। जनक जू की बेटी, दशरथ जू के लाल...सहित अनेक बुंदेली गारियों की गूंज बनी रही।

सत्यनारायण कथा के साथ हुआ समापन

5 दिन चलने वाले श्री राम विवाह महोत्सव का सोमवार 18 दिसंबर को समापन किया गया। मंदिर के पुजारी ने बताया कि अंतिम दिन सत्यनारायण भगवान की कथा और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। इसके साथ ही पांच दिवसीय श्री राम जानकी विवाह महोत्सव का समापन किया गया। इस अवसर पर बढ़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मॉनिटरिंग के साथ दायित्वों का बेहतर तरीके से करें निर्वहन

विकसित भारत संकल्प यात्रा का जमीनी स्तर तक क्रियान्वयन सुनिश्चित हो: कलेक्टर

पन्ना, देशबन्धु। कलेक्टर हरजिंदर सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई टीएल बैठक में विभागीय अधिकारियों को विकसित भारत संकल्प यात्रा का जमीनी स्तर तक क्रियान्वयन कराने और अपेक्षा अनुरूप कार्यवाही के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को मॉनिटरिंग के अलावा सौंपे, दायित्वों का बेहतर तरीके से निर्वहन के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि संकल्प यात्रा की 40 दिवसीय कार्ययोजना अनुसार गतिविधियों की सघन मॉनीटरिंग के साथ अधीनस्थ अधिकारी कर्मचारियों को नियमित रूप से यात्रा के आगमन के दौरान और शिविर स्थल पर उपस्थित रहकर दायित्व निर्वहन के लिए निर्देशित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान लोगों को विकसित भारत के निर्माण की शपथ सहित कृषकों, महिलाओं, श्रमिक वर्ग और युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित कर महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी विभागीय स्टॉल के जरिए प्रदान करें।

ड्रोन फ्लाई एक्टिविटी के माध्यम से कृषकों को कृषक हितैषी योजनाओं व गतिविधियों के बारे में जागरूक करें। यात्रा व शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार कर प्रतिदिन की यात्रा संबंधी गतिविधियों से अवगत कराएं। विकसित भारत संकल्प यात्रा की मॉनीटरिंग भारत सरकार द्वारा एवं राज्य स्तर पर भी की जा रही है। इसलिए प्रतिदिन लॉग इन आईडी से पोर्टल पर डाटा एंट्री कराना भी सुनिश्चित करें। ग्राम पंचायतों में यात्रा के पहुंचने पर हितग्राहियों द्वारा मेरी कहानी मेरी जुबानी, विकसित भारत शपथ, क्विज प्रतियोगिता और अन्य गतिविधियां संपादित करने, लीड बैंक अधिकारी को बैंकिंग स्टॉल के जरिए 18 वर्ष एवं अधिक आयु के नागरिकों के जनधन खाता खोलने, मैदानी स्तर के अधिकारियों द्वारा समन्वय के साथ कार्य करने तथा सभी एसडीएम को जनपद स्तरीय क्रियान्वयन समिति की बैठक के लिए निर्देशित किया।

बैठक में उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को सामाजिक सुरक्षा पेंशन और दिव्यांग प्रमाण पत्र के लिए शिविर लगाने सहित आगामी दिवसों में विकासखण्डवार एलिम्को के सहयोग से कृत्रिम अंग वितरण शिविर आयोजित करने के लिए भी कहा। इसी तरह पीएम आवास योजना के शत प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करवाने के लिए भी निर्देशित किया। आगामी बैठक में विभागवार आगामी कार्ययोजना पर समीक्षा के निर्देश दिए। जल संसाधन विभाग से संबंधित भू.अर्जन प्रकरण के मामलों में एसडीएम को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर ने टीएल बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित लोक सेवा गारण्टी योजना के प्रकरणों में तत्परतापूर्वक समय सीमा में कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। विभागवार हितग्राहीमूलक प्रकरणों में बजट की अनुपलब्धता के मामले में शासन स्तर पर पत्राचार के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन के शिकायतों के निराकरण की समीक्षा के दौरान विभागवार लंबित एवं खराब श्रेणी के मामलों में आवश्यक कार्यवाही कर समयावधि में प्रगति लाने के लिए निर्देशित किया। साथ ही हितग्राही के पात्रता मापदण्ड पूर्ण होने पर त्वरित रूप से लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए।

धान उपार्जन कार्य की समीक्षा के दौरान अन्य राज्यों से जिले में परिवहन पर सख्ती से रोक लगाने तथा रैपुरा खरीदी केन्द्र से संबंधित मामले में समस्या निराकरण के निर्देश भी संबंधित विभाग के अधिकारी को दिए। उप संचालक पशुपालन को विभाग की योजनाओं का यात्रा के दौरान प्रचार प्रसार सुनिश्चित कराने और मुख्य नगर पालिका अधिकारी को नगरीय क्षेत्र में यात्रा के भ्रमण के दौरान विकसित भारत संकल्प यात्रा के दृष्टिगत आवश्यक कार्यवाही के लिए कहा। कलेक्टर ने टीएल बैठक में अधिकारियों को विकसित भारत के निर्माण के लिए शपथ भी दिलाई। टीएल बैठक में जिला पंचायत सीईओ संघ प्रिय, अतिरिक्त सीईओ अशोक चतुर्वेदी, एसडीएम अशोक अवस्थी एवं राहुल सिलाड़िया, डिप्टी कलेक्टर रोहित वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में अन्य नगरीय निकायों के सीएमओ, जनपद पंचायत सीईओ और तहसीलदार भी वर्चुअली शामिल हुए।

हटा ब्लॉक के पाठा और पाली पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत हुआ कार्यक्रम

दमोह देशबन्धु। जिले की तहीसल हटा की ग्राम पंचायत पाठा और पाली में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत विविध कार्यक्रमों का आयोजन पंचायत, राजस्व, कृषि, बिजली, महिला बाल विकास, शिक्षा विभाग सहित अन्य कई विभागों के अधिकारी-कर्मचारीयो की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान यात्रा रथ के माध्यम से एल.ई.डी. डिस्प्ले के द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी का सन्देश लोगो को सुनाया गया, जिसमे विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के विषय मे विस्तृत जानकारियां देकर लोगो को योजनाओं से जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही डिस्प्ले पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार की गारंटी, विकसित भारत अभियान के तहत कार्ययोजना और मप्र सरकार की विभिन्न जनकल्याकारी योजनाएं के विषय मे भी लोगों को जानकरियाँ दी गई। ग्राम पंचायत पाली में आयोजित शिविर में स्कूली छात्राओं ने भी भाग लिया और विभिन्न विभागों के स्टालों पर पहुंचकर शासन की योजनाओं के विषय मे जाना और कर्मचारियों से संवाद कर योजनाओं से किस प्रकार हितग्राहियों द्वारा लाभ लिया जाता है इस संबंध में जाना। इस पर कर्मचारियों ने योजनाओं के लिए ऑनलाइन और ऑफ्लाइन आवेदन और लाभांवित सूची में शामिल होने के लिए मापदंड बताए।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में कल्याणकारी योजनाओं को लेकर आमजनों को किया जागरूक

दमोह देशबन्धु। विकसित भारत संकल्प यात्रा का प्रचार वाहन बनवार एवं हरदुआ मानगढ़ में पहुंचा। ग्राम पंचायत परिसर पर विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के सबंध में अधिकारियों द्वारा आमजन को जागरूक कर योजनाओं से वंचित रह गए पात्र हितग्राहियों को लाभ लेने आग्रह किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत सीईओ डॉ रामेश्वर पटेल, ग्राम पंचायत सरपंच विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी रही। जनपद सीईओ डॉ रामेश्वर पटेल ने बताया विकसित भारत संकल्प यात्रा में हरदुआ मानगढ़ ग्राम पंचायत की जनसंख्या 2640 में पीएम आवास 264, आयुष्मान 1504, लाडली बहना 579, शौचालय निर्माण 465, उज्ज्वला योजना 485, खाद्यान पर्ची 722, किसान सम्मन निधि 361, जनधन खाते 214, जल जीवन मिशन 465, संबल योजना 14 सहित अन्य योजनाओं के माध्यम से हुए लाभान्वित हितग्राहियों के सबंध में जानकारी दी। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे, जहां पर स्थानीय लोगों द्वारा जानकारी प्राप्त की गई। आयुष, मत्स्य ,पंचायत, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग आदि योजनाओं की जानकारी आमजन को प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों के साथ ही जनप्रतिनिधियों, सदस्यों तथा विद्यार्थियों ने शपथ ली गई ।

जिला शिक्षा अधिकारी के निरीक्षण में कई शिक्षक मिले अनुपस्थित

दमोह देशबन्धु। कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने मंगलवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में दिये गये निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. नेमा व सहायक परियोजना समन्वयक मोहन राय ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालाकोट, माध्यमिक शाला बालाकोट, प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला चौरई, शासकीय प्राथमिक शाला जमुनिया, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बांसा तारखेड़ा एवं शासकीय हाई स्कूल हिरदेपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण में अनेक शिक्षक विद्यालय से बिना किसी सूचना के अनुपस्थित मिले, अनुपस्थित शिक्षकों में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालाकोट के प्राचार्य सुधीर गंगेले, उच्च माध्यमिक शिक्षक राजा भटकारिया, सरिता चौहान, अनीता सोनी, ज्योति अग्रवाल, रविंद्र अहिरवार समय पर स्कूल नहीं पहुंचे। इसी तरह माध्यमिक शाला बालाकोट की दीपिका खरे, कल्पना शर्मा, विनीता असाटी, अनारी लाल अहिरवार, रेखा कटहरे, बृजेश श्रीधर, वेद प्रकाश द्विवेदी, सरोज ठाकुर, माध्यमिक शाला चौरई से संजय सिंघाई, प्राथमिक शाला चौरई से ओम देवी अहिरवार, प्राथमिक शाला जमुनिया में गौरी विश्वकर्मा अनुपस्थित मिली। कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने जिला शिक्षा अधिकारी से कहा है कि ऐसे सभी अनुपस्थित शिक्षकों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाये साथ ही उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक शिक्षा मिशन से कहा है कि वे इस तरह के निरीक्षण सतत करते रहे और अनुपस्थित मिलने वाले ऐसे शिक्षकों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई प्रस्तावित की जाये।

लेखक संघ का निर्वाचन अधिवेशन एवं काव्य गोष्ठी आयोजित

दमोह देशबन्धु। मध्य प्रदेश लेखक संघ इकाई दमोह का निर्वाचन अधिवेशन स्थानीय रामकुमार विद्यालय में हुआ। प्रांतीय समिति के निर्देशानुसार निर्वाचन अधिकारी डॉ. रघुनंदन चिले एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रेमलता नीलम के द्वारा विधिवत निर्वाचन प्रक्रिया को संपादित किया गया। अधिवेशन का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पं. रामकुमार तिवारी के मंत्रोच्चार से हुआ। इसके बाद जिला सचिव श्री पीएस परिहार ने संघ का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस निर्वाचन अधिवेशन में निष्पक्ष एवं पारदर्शिता पूर्ण प्रक्रिया को अपनाते हुए जिला अध्यक्ष अमर सिंह राजपूत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामकुमार तिवारी एवं जिला कोषाध्यक्ष बीएम दुबे निर्वाचित हुए। नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष अमर सिंह राजपूत ने संघ संविधान में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए कार्यकारी अध्यक्ष पद पर ओजेंद्र तिवारी एवं जिला सचिव पद पर पीएस परिहार को मनोनीत किया। सभी साहित्यकारों ने उक्त पदाधिकारियों को मालाऐं पहनाकर बधाई दी। निर्वाचन अधिवेशन के बाद डॉ. रघुनंदन चिले जी की अध्यक्षता में काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें उपस्थित साहित्यकारों ने समसामयिक कविताओं का पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन पीएस परिहार ने किया तथा आभार श्री अमर सिंह राजपूत ने माना।

जबेरा विधायक धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने संस्कृत भाषा में ली शपथ

दमोह देशबन्धु। मध्य प्रदेश में नवनिर्वाचित विधानसभा के सदस्यों के द्वारा शपथ ली गई इस दौरान दमोह जिले की सबसे बड़ी विधानसभा जबेरा से निर्वाचित विधायक धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने संस्कृत में शपथ ग्रहण की। उनके सोशल मीडिया के अकाउंट पर पोस्ट के माध्यम से सभी क्षेत्र वासियों का आभार धन्यवाद व्यक्त किया।

चाकू लगने से युवक घायल

दमोह देशबन्धु। चाकू लगने से एक युवक को गंभीर हालत में इलाज के लिए दमोह जिला अस्पताल लाया गया,जिसका इलाज जारी है प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल शिवराम रैकवार पिता दयाराम रैकवार उम्र 23 वर्ष निवासी फुटेरा मोहल्ला दमोह का इलाज जारी है। पुलिस घटनाक्रम की जांच कर रही है।

विहिप-बजरंग दल ने निकाली शोभायात्रा

दमोह देशबन्धु। भगवान श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को होने जा रही है। इसके उपलक्ष्य में नगर हिंडोरिया में पूजित अक्षत कलश की भव्य शोभा यात्रा का आयोजन विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के द्वारा किया गया। जिसमें श्रीराम, जानकी, लक्ष्मण और हनुमान की झांकी सुशोभित थी। नगरवासियो ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया। वही शोभा यात्रा में डी. जे.की धुन पर युवा राम भक्त ले चला रे राम की निशानी थिरक रहे थे। वही मातृशक्तिया पूजित अक्षत कलश को धारण कर यात्रा में चल रही थी। शोभा यात्रा का शुभारंभ बाजार स्थित श्री हनुमान मंदिर से हुआ। नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए,पुन: श्री हनुमान मंदिर में समापन हुआ। इसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं को को प्रसाद वितरण किया गया। सम्पूर्ण चल समारोह में पुलिस प्रशासन का सहयोग रहा। आयोजक मंडल ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई जिला सलाहकार समिति की बैठक

पन्ना, देशबन्धु। कलेक्टर हरजिंदर सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में खाद्य सुरक्षा पर जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ संघ प्रिय सहित सीएमएचओ डॉ. व्हीएस उपाध्याय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार राय एवं नीतू खरे, नापतौल निरीक्षक अर्चना मिश्रा सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मिलावटी खाद्य सामग्री के परिवहन और उपयोग पर सख्ती से रोकथाम के लिए की गई कार्यवाही और खाद्य पदार्थों के नमूना व जांच रिपोर्ट के बारे में अवगत कराया गया। इस मौके पर जिला कलेक्टर द्वारा जिला स्तर पर निगरानी दल के गठन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही अन्य जिलों से मिलावटी पदार्थ के परिवहन पर तत्काल रोकथाम की कार्यवाही और संबंधित जिले के जिला दण्डाधिकारी को इस बावत सूचित करने के लिए कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में ईट राइज चैलेंज प्रतियोगिता की गतिविधियों, मिलावट के विरूद्ध जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने सहित मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की जांच, मिलावटी दूध पर जुर्माना और बार-बार लापरवाही पर खाद्य कारोबारियों के लायसेंस निरस्तीकरण, नियमित रूप से नमूना प्राप्त करने के अभियान के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावा धार्मिक स्थलों के 100 मीटर के दायरे में और खुले में मांस, मछली विक्रय की रोकथाम के लिए शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। खाद्य सुरक्षा प्रशासन से संबंधित जन शिकायतों के त्वरित निराकरण, दूध एवं दुग्ध उत्पादों में मिलावट की जांच की कार्यवाही को और अधिक प्रभावी बनाने सहित मिलावट संबंधी सूचना प्राप्त होने पर आकस्मिक निरीक्षण कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया।

अनियंत्रित होकर ऑटो रिक्शा पलटा, चालक सहित तीन घायल

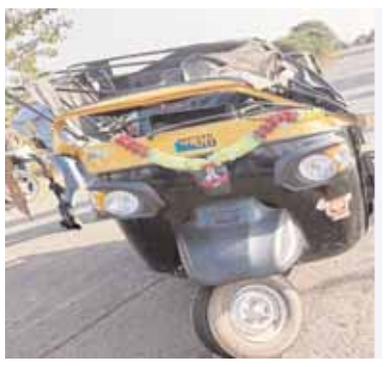

दमोह देशबन्धु। जिले के तेजगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत इमलिया चौकी के समीप सतधरू के पास चालक की लापरवाही से ऑटो रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया।. जिसमें चालक सहित तीन सवार घायल हो गए. जिन्हें चौकी प्रभारी इमलिया आनंद कुमार और 108 ईएमटी अजय यादव और पायलट नीरज अहिरवाल की मदद से इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया. प्राप्त जानकारी के अनुसार घायलों में नन्हे भाई लोधी उम्र 45 वर्ष, लड्डू सिंह उम्र 32 वर्ष और पार्वती निवासी बरवटा का इलाज जारी है।

एकलव्य विवि में गणित सप्ताह का शुभारंभ

दमोह देशबन्धु। एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह में 22 दिसम्बर श्रीनिवास रामानुजन के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में 18 दिसम्बर से 24 दिसम्बर तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश की मंशानुसार गणित सप्ताह का शुभारंभ हुआ। इस आयोजन का मूल उद्देश्य देश के युवाओं को गणित विषय के प्रति जागरूकता और नेतृत्व को प्रोत्साहन देना है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ. सुधा मलैया, प्रति कुलाधिपति पूजा मलैया एवं रति मलैया के कुशल नेतृत्व और कुलपति प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार जैन एवं कुलसचिव डॉ. प्रफुल्ल शर्मा के मार्गदर्शन में गणित सप्ताह का आयोजन किया गया। कुलपति प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार जैन ने इस अवसर पर सभी को बधाई देते हुए सभी विद्यार्थियों को गणित सप्ताह में प्रतिभाग लेने की बात कही गयी। कुलसचिव डॉ. प्रफुल्ल शर्मा ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए राष्ट्र के ऐसे आदर्श नायकों को आत्मसात करने की बात कही। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शासकीय पी जी कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. रमेश अहिरवार एवं ओजस्विनी उत्कृष्टता संस्थान की प्राचार्य डॉ. शमा जे पी खानम ने विद्यार्थियों को श्रीनिवास रामानुजन की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान किए। प्रथम दिवस में 20 विद्यार्थियों ने व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग लिया। इसमें निर्णायक मंडल द्वारा प्रथम स्थान सत्यम लोधी, द्वितीय स्थान इशिता ठाकुर एवम तृतीय स्थान किरण अहिरवार को प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. शैलेन्द्र जैन, डॉ. कमलेश कुमार, श्री सोनू अहिरवार, श्रीमती जानकी निसाद के साथ ही विश्वविद्यालय के सभी संकाय के संकाय प्रमुख की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में गणित विभाग की प्राध्यापक सुश्री मेहवर बख्स ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हृदय नारायण तिवारी एवं मुकेश तिवारी ने किया।

बूंदाबहू मंदिर में श्रीसीताराम विवाह के बाद हुआ रामकलेवा

दमोह देशबन्धु। स्थानीय श्री देव जानकी रमण जी बूंदाबहू में चल रही श्रीसीताराम विवाह कथा रस के छटवे दिवस में कथावाचक आचार्य पंडित रवि शास्त्री महाराज के द्वारा विवाह के बाद होने बाली रस्म रामकलेवा जिसे कुवर कलेवा भी कहते हैं कि दिव्य कथा श्रवण कराई गई। जिसमें राम, लछमण, भरत, शत्रुघ्न मिथिलापुरी में विवाह बाद कलेवा करने के लिए जनक जी के राजमहल में पहुंचते है तो मिथिलापुरी की श्रीसीता जी की सखिया चारों कुमारो से हँसते हुये विनोद करती हैं वहीं मंदिर परिसर में भी कुंवर कलेवा का आयोजन कराया गया जिसमें हजारो भक्तो ने भोजन प्रसाद पाया भगवान राम माता सीता को छप्पन प्रकार के भोजन कराया गया और भगवान राम और माता सीता को विधि विधान पूर्वक पूजन तथा गीत सुना गया। बूंदाबहू मंदिर में राम कलेवा का कार्यक्रम बहुत ही धूम धाम से मनाया गया। मंदिर में देर रात्रि भगवान राम माता सीता के विवाह सम्पन होने के बाद सुबह से मंदिरों में राम व सीता के लिए कलेवा किया गया। इस कार्यक्रम में हजारो की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

सार-समाचार

जिला स्तरीय सामर्थ्य प्रदर्शन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सागर, देशबन्धु। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा शास. दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ उच्च. माध्य. विद्यालय पण्डापुरा सागर में विश्व दिव्यांगजन दिवस के उपलक्ष्य में जिलास्तरीय खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामर्थ्य प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें दौड, नृत्य, रंगोली, चित्रकला, गोला फेक, मेहदी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में दिव्यांगजनों ने उत्साह पूर्वक सहभागिता की, जिले की दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक संस्थाओं से दिव्यांगजन उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत सीईओ पीसी शर्मा ने की एवं पुरुस्कार वितरण कर प्रतिभागिता का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में लगभग 250 दिव्यांगजन उपस्थित रहें।

शासकीय हाई स्कूल में हुआ पालक और शिक्षक संवाद

सागर, देशबन्धु। शासन के निर्देशानुसार विद्यालय में बालक शिक्षक संघ के साथ बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए थे। इसी परिप्रेक्ष्य में पालक छात्र: शिक्षक मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें अर्धवार्षिक परीक्षा के उपरांत पालकों एवं विद्यार्थियों को अर्धवार्षिक परीक्षा की कॉपियां दिखाई गई। पालकों ने कक्षा शिक्षक एवं विषय शिक्षक से मिलकर अपने बच्चों के बारे में जानकारी ली। हाईस्कूल का सरकारी भवन एवं फर्नीचर न होने के कारण माध्यमिक विद्यालय के छोटे कक्ष में ही फर्श पर इस प्रकार का आयोजन किया गया। इस दौरान कैथोरा एवं पिपरिया गांव के पालक शामिल हुए। विद्यालय के प्राचार्य आरपी अग्निहोत्री ने सभी बच्चों एवं उनके पालकों से बात की और बच्चों को कैसे पढ़ाई की जाए। जिसमें खेलने एवं पढ़ने का समय दोनों निर्धारित रहे। किसी भी प्रकार का टेंशन न रहे इस प्रकार की समझाइस दी। विषय शिक्षक ने भी अपने-अपने विषय के बारे में सभी बच्चों को समझाया एवं बात की, प्राचार्य ने सभी पालकों का आभार व्यक्त करते हुए छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु पालकों से अपेक्षित वातावरण तैयार करने को कहा।

फार्मेसी विज्ञान विभाग के छात्र को मिला फार्मेसी सम्मान

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि फार्मेसी विज्ञान विभाग के छात्र प्रवीण रावत ने श्वेस्ट एम फार्मेसी छात्र का सम्मान प्राप्त किया है। उन्होंने 15 दिसंबर को जयपुर राजस्थान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन वर्ल्डवाइड सीनेरियो एंड फ्यूचर चैलेंजेस इन मॉडर्न ड्रग डिस्कवरी में टाइप.2 मधुमेह उपचार के लिए जीपीआर.119 एगोनिस्ट के रूप में नवीन पाइरीमिडीन डेरिवेटिव का कम्प्यूटेशनल डिजाइन और मूल्यांकन विषय पर पोस्टर प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने इस पोस्टर प्रेजेंटेशन के दौरान द्वितीय स्थान हासिल किया और श्वेस्ट एम फार्मेसी छात्र अवार्ड प्राप्त किया।

ब्यूटी पार्लर में लगी आग

सागर, देशबन्धु। पुरव्याऊ टोरी स्थित काली तिगड्डा पर सोमवार दोपहर ब्यूटी पार्लर में आग लग गई। धुआं निकलते देख आसपास के लोगों ने तुरंत फायर बिग्रेड को सूचना दी। फायर फाइटर मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आगजनी में पार्लर में रखा सामान जलकर राख हुआ है। श्याम पाल निवासी पुरव्याऊ टौरी ने बताया कि पत्नी ने नगर निगम से लोन लेकर हाल ही में ब्यूटी पार्लर खोला था। सोमवार को काम से पत्नी के साथ बाजार गया था। लौटकर आया तो देखा घर में आग लगी थी। फायर फाइटर को सूचना दी। जिसके बाद आग बुझाई जा सकी। आगजनी में करीब दो लाख रुपए का नुकसान हुआ है। आग शॉर्ट सर्किट से लगी है। क्योंकि हाल ही में बिजली कंपनी द्वारा नए बिजली मीटर लगाए गए हैं। जैसे ही मीटर चालू हुआ तो आग लग गई। मामले में पुलिस ने घटनाक्रम का पंचनामा बनाकर मामला जांच में लिया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य ने निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस अवसर पर रामेश्वर नामदेव, शैलेंद्र तोमर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी भव्या त्रिपाठी, प्रमोद रजक सहित अन्य अधिकारी एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

मांस मछली विक्रय हेतु कराना होगा पंजीयन: कलेक्टर

सभी धार्मिक और अन्य स्थलों से 2 दिवस में हटाएं ध्वनि विस्तारक यंत्र, लाउड स्पीकर

सागर, देशबन्धु। सभी धार्मिक स्थलों से दो दिवस में ध्वनि विस्तारक यंत्र लाउड स्पीकर हटाने और नये वर्ष में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में तेज ध्वनि यंत्रों का प्रयोग नहीं करने के निर्देश कलेक्टर दीपक आर्य ने टीएल बैठक में दिए। उसके साथ ही उन्होंने मांस मछली विक्रय हेतु आवश्यक रूप से पंजीयन कराने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ पीसी शर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट शैलेन्द्र सिंह, समस्त एसडीएम, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि दो दिवस के अंदर सभी एसडीएम, सिटी मजिस्ट्रेट, तहसीलदार सभी धार्मिक स्थानों और अन्य स्थलों की सूची तैयार करें एवं स्वेच्छा से हटाए गए लाउड स्पीकर के अतिरिक्त शेष स्थानों से दो दिवस में ध्वनि विस्तारक यंत्र हटाकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। शासन के निर्देशानुसार बगैर पंजीयन के मांस मछली विक्रय करने वालों पर कार्रवाई करें एवं 21 दिसंबर तक पंजीयन कराकर, विक्रय स्थान चिन्हित करें। यदि कोई भी व्यक्ति गैर चिन्हित स्थल से मांस मछली विक्रय करता पाया जाता है तो तत्काल सख्त कार्यवाही सुनिश्चित करें। नये वर्ष पर होटल सहित अन्य स्थानों पर जो आयोजन होना है उनमें तय सीमा से अधिक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग या ध्वनि प्रदूषण अथवा वायु प्रदूषण होता है तो तत्काल कार्यवाही करें और किसी भी कार्यक्रम को यदि अनुमति नहीं है तो भी कार्यवाही करें। सभी कार्यक्रमों की अनुमति अवश्य ली जावे। सभी मैरिज गार्डन एवं डीजे संचालन वालों की बैठक आयोजित करें एवं उन्हें शासन के द्वारा दिए गये निर्देशों से स्पष्ट रूप से अवगत करायें। किसी भी मैरिज गार्डन में डीजे नहीं बजना चाहिए। सभी मैरिज गार्डन निर्धारित ध्वनि के आधार पर ही लाउड स्पीकर का संचालन करें अन्यथा उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जनसुनवाई में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों पर होगी सख्त कार्यवाही: कलेक्टर

प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में जो भी विभाग के विभागीय अधिकारी या उनके प्रतिनिधि उपस्थित नहीं होते है तो उन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी उक्त निर्देश कलेक्टर दीपक आर्य ने दिए। कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशानुसार प्रति मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है जिसमें कि जिलेभर के लोग अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए कलेक्टर कार्यालय आते हैं। उनकी समस्याओं को निराकरण के लिए कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई की जाती है एवं समस्त विभागीय अधिकारी उपस्थित रहते हैं। जनसुनवाई में जो विभाग के अधिकारी मौजूद नहीं रहेगें उन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सागर कैट टीम की महिला शक्ति ने झांसी कैट द्वारा आयोजित महिला सम्मेलन में भाग लिया

सागर, देशबन्धु। सागर से लगभग 8 महिलाओं ने झांसी उत्तर प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय महिला सम्मेलन सृजन के कार्यक्रम में शिरकत की जिसमे पूरे प्रदेश से लगभग 300 महिलाओं उद्यमियों ने भाग लिया और व्यापार को अपडेट रखने और हो रहे बदलाव में क्या भूमिका और परिवर्तन करना चाहिए इसका प्रशिक्षण लिया। सागर के जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र जैन मालथौन ने बताया कि इस कार्यक्रम में दिल्ली से पधारे कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल एवं प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन को 24 दिसंबर के सागर के संभागीय सम्मेलन में आने का न्योता भी दिया। सागर से कैट महिला टीम से सुमन समैया, सपना जैन, मीरा तिवारी, ऋचा शाह, रूही जैन आदि महिलाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम जिलाध्यक्ष सुरेंद्र मालथौन के साथ सुरेश होलानी, सौरभ जैन, अनिमेश शाह, अजीत समैया, संजीव दिवाकर एवं पंकज तिवारी ने भी हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के आयोजक संजय पटवारी झांसी की कार्यक्रम की रोचकता और प्रभावना को लेकर सराहना की गई।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाकर उनकी दिशा और दशा में परिवर्तन किया है: महापौर

सागर, देशबन्धु। सागर नगर में प्रारंभ हुई विकसित भारत संकल्प यात्रा तीसरे दिन बाघराज वार्ड स्थित छत्रसाल नगर कालोनी एवं जिला चिकित्सालय परिसर पहुंची जहां शिविरों के माध्यम से नगर निगम द्वारा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया, वहीं आईईसी बेन द्वारा शिविर में आडियो विजुअल ब्रोशर पंपलेट, बुकलेट के माध्यम से केंद्र सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया। इस अवसर पर महापौर संगीता तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश में अनेकों लोक कल्याणकारी योजनाओ ने देशवासियों की दिशा और दशा बदलने का कार्य किया है और प्रधान मंत्री द्वारा हर पात्र व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। निगमायुक्त चन्द्रशेखर शुक्ला ने कहा कि सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ दिलाने का कार्य निरंतर जारी है। योजनाओं के पात्र व्यक्ति इन शिविरों में आकर आवेदन करें ताकि उन्हें उस योजना के लाभ से लाभान्वित किया जा सके। महापौर प्रतिनिधि सुशील तिवारी ने उपस्थित जनसमुदाय को 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ दिलाई और प्रधानमंत्री का देश को समृद्ध और केन्द्र सरकार की लोक कल्याण कारी योजनाओं की जानकारी वीडियो के माध्यम से नागरिकों को दिखाई गई। शिविर में विभिन्न योजनाओं के लाभांवित हितग्राहियों द्वारा मेरी कहानी मेरी जुबानी के अंतर्गत अपने अनुभव साझा किए गए तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना और प्रधान मंत्री स्वरोजगार योजना के लाभार्थियों को सांकेतिक रूप से चेक वितरित किए गए। शिविर में क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

आदर्श शिक्षक सम्मान समारोह 24 को

सागर, देशबन्धु। पं. मोतीलाल नेहरू उच्च. माध्य. शाला सागर के पूर्व प्राचार्य स्व. पं. शंकर दत्त चतुर्वेदी की स्मृति में श्यामलम द्वारा श्री सरस्वती वाचनालय में 24 दिसंबर रविवार को दोपहर 2 बजे से ग्यारहवां वार्षिक आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर व्याख्यान माला के विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भाषा एवं विज्ञान में नवोन्मेष पर प्रमुख वक्ता प्रो. नवीन कानगो, निदेशक, अकादमिक मामले एवं अध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर विवि का व्याख्यान होगा। कार्यक्रम में व्याख्याता मनोज श्रीवास्तव को शंकर दत्त चतुर्वेदी स्मृति आदर्श शिक्षक सम्मान 2023 से सम्मानित किया जाएगा साथ ही लेखक आर के तिवारी के लघुकथा संग्रह कौन है वहां का विमोचन भी इस अवसर पर संपन्न होगा।

सागर, देशबन्धु। विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने 16 वीं विधानसभा के सत्र के शुभारंभ अवसर पर शपथ ग्रहण के पश्चात जबलपुर विधायक अभिलाष पांडे, अजय विश्नोई, दिनेश राय मुनमुन एवं राजनगर विधायक अरविंद पटेरिया के साथ मुख्यमंत्री मोहन यादव को राममंदिर का मॉडल भेंट किया।

इंजीनियरों एवं विद्यार्थियों को दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

सागर, देशबन्धु। शास. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में आपदा प्रबंधन संस्थान के द्वारा इंजीनियरों एवं विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन में तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सोमवार को भूकंपरोधी संरचना निर्माण पर आधारित सिविल इंजीनियरिंग प्रो. फेशनलस के साथ प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला में पधारे डॉ. जॉर्ज व्ही जोसेफ संयुक्त संचालक, आपदा प्रबंध संस्थान, गृह विभाग भोपाल ने आपदा प्रबंधन अधिनियम. 2005, आपदा प्रबंधन नीति. 2009 प्रावधान के साथ-साथ प्रधानमंत्री के 10 महत्वपूर्ण बिंदु के बारे में प्रकाश डाला। कार्यशाला में विशिष्ठा अतिथि संजीव दुबे, प्राचार्य, शास. कला एवं वाणिज्य महाविधालय ने कहा कि सभी लोगों को आपदा प्रबंधन की ट्रेनिंग लेनी चाहिए जिससे की भविष्य में आने वाली संभावित आपदाओं से बचा सके। अभिषेक मिश्रा, तकनीकी विशेषज्ञ आपदा प्रबंध संस्थान, गृह विभाग भोपाल ने भूकंप आपदा प्रबंधन में गैर संरचनात्मक उपायों के बारे में एवं तुरंत अनुक्रिया के बारे में अवगत कराया। कार्यशाला में जिले के विभिन्न विभागों के लगभग 100 प्रतिनिधियों जिसमें एसडीओ, इंजीनियर, कांट्रेक्टर एवं सिविल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता की।

मनोकामना पूर्ण होने पर दहकते अंगारों पे नंगे पैर निकलते भक्त

देवरीकलां, देशबन्धु। देवरी में स्थित प्राचीन श्रीदेव खंडेराव मंदिर में प्रतिवर्ष की तहत इस वर्ष भी चंपा छठ से खंडेराव मेले की शुरुआत हो गई है। यह मेला 9 दिनों तक चलेगा। सोमवार को सुबह से ही सैकड़ों श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। यहां श्रद्धालु धधकते अंगारों से नंगे पैर निकले। यहां की खासियत यह है कि अंगारों पर से निकलने के बाद भी श्रद्धालुओं के पैर न तो जलते हैं और न ही छाले आते हैं। दरअसल, जिले के देवरी में श्री देव खंडेराव भगवान का मंदिर है जो करीब 400 साल पुराना बताया जाता है। जहां खंडोबा सरकार विराजमान हैं। हर साल अगहन महीने के शुक्ल पक्ष की चंपा छठ के दिन श्रद्धालु धधकते हुए अंगारों पर से निकलते हैं। जिन श्रद्धालुओं की मनोकामना पूर्ण हो जाती है वही इन अंगारों पर नंगे पैर चलते हैं। मंदिर के पुजारी नारायण मल्हार वैद्य ने बताया कि देव श्री खंडेराव का मेला हर वर्ष लगता है। इस मेले में दर्शन करने के लिए दूर-दूर से भक्त पहुंचते

देवरी में नौ दिवसीय खंडेराव मेला शुरू

हैं। वहीं मनोकामनाएं पूरी होने पर श्रद्धालु धधकते अंगारों से निकलते हैं। इस वर्ष अभी तक 1200 श्रद्धालुओं ने अंगारों से निकलने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। पूजा में शामिल होने वाले श्रद्धालु पीले वस्त्र धोती कुर्ता पहनते हैं। वहीं महिलाएं पीली साड़ी। पूजन की थाली में सूखी हल्दी विशेष रूप से रखते हैं। भगवान खंडेराव की जय बोलते ही कुंड में हल्दी डालते हुए अंगारों पर भक्त चलते हैं। मंदिर के पुजारी नारायण मल्हार वैद्य ने बताया कि अंगारों से निकलने की प्रथा मंदिर निर्माण के साथ शुरू हुई थी। राजा यशवंत राव के इकलौते पुत्र किसी अज्ञात बीमारी से ग्रसित होकर मरणासन्न स्थिति में थे। तभी राजा यशवंत राव ने देवखंडेराव से प्रार्थना कर कहा कि आप का दिया हुआ पुत्र है। इसकी रक्षा करें। उसी रात राजा यशवंत राव को श्री देव खंडेराव ने दर्शन देकर कहा कि तुम मेरे दर्शन कर हल्दी के उल्टे हाथ लगाकर प्रार्थना करो। नाव की आकृति के लबे और चौड़े गड्ढे में एक मन लकड़ी डालकर जलाकर विधि विधान से पूजा कर ठीक 12 बजे दिन में नंगे पैर आग पर चलोगे तो बेटा ठीक हो जाएगा। उन्होंने ऐसा किया तो बेटा ठीक हो गया। तभी से अग्निकुंड में अंगारों पर चलने की प्रथा शुरू हुई, जो अभी भी चल रही है।

बेहतर भारत के लिए दान अभियान से कांग्रेस को आर्थिक मजबूती मिलेगी : आशीष ज्योतिषी

सागर, देशबन्धु। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा अपने कार्यकर्ताओं पदाधिकारी एवं विचारधारा से जुड़े लोगों को जोड़ने के उद्देश्य से ऑनलाइन क्राउन फंडिंग के माध्यम से दान लेने का अभियान का आरंभ सोमवार को नई दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता आशीष ज्योतिषी ने बताया कि कांग्रेस की यह पहल 1920-21 में महात्मा गांधी के ऐतिहासिक तिलक स्वराज फंड से प्रेरित है और इसका उद्देश्य सामान संसाधनों और अवसरों से समृद्ध भारत बनाने में कांग्रेस पार्टी को सशक्त बनाना है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को बने हुए 138 गौरवशाली वर्ष हो गए हैं। हम अपने इस अतीत को गले लगाते हुए से रुपए 138, 1380, 13800 या अधिक के गुणक दान करने के लिए आमंत्रित करते हैं जो एक बेहतर भारत के लिए कांग्रेस पार्टी की स्थाई प्रतिबद्धता का प्रतीक है। बेहतर भारत के लिए इस दान अभियान से कांग्रेस को आर्थिक मजबूती मिलेगी। इस अभियान के दूसरे चरण में कांग्रेस की स्थापना दिवस के बाद घर-घर जाकर प्रत्येक पोलिंग बूथ के कम से कम 10 घरों से कांग्रेस के लिए दान देने से जोड़ा जाएगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान अधिक से अधिक बनाएं आयुष्मान कार्ड : कलेक्टर

सागर, देशबन्धु। विकसित भारत संकल्प यात्रा जो 26 जनवरी तक लगातार संचालित होनी है उसके अंतर्गत सभी ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकायों के वार्डों में जो शिविर संचालित हो रहे हैं उनमें अधिक से अधिक संख्या में आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश कलेक्टर दीपक आर्य ने दिए। उन्होंने कहा कि जिले में अधिकाधिक हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बन सकें इसके लिए विशेष प्रयास किये जाये एवं शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बने यह भी सुनिश्चित किया जाये। जिस ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय के वार्डों में आने वाले समय में विकसित भारत संकल्प यात्रा के शिविर आयोजित होने हैं उसकी सूचना पूर्व से दी जाये जिससे संबंधित ग्रामवासी वार्डवासी शिविर में पहुंचकर केंद्र शासन एवं मप्र शासन की योजनाओं का लाभ ले सकें। सभी विभागीय अधिकारी अपनी उपस्थिति भी सुनिश्चित करें और अपने विभाग के अंतर्गत आने वाली योजनाओं से लोगों को लाभान्वित करें। प्रत्येक शिविर की जानकारी प्रतिदिन पोर्टल पर अध्यतन करें।

धार्मिक स्थलों से हटाए जा रहे हैं लगातार ध्वनि विस्तारक यंत्र व लाउडस्पीकर

सागर, देशबन्धु। मप्र शासन के निर्देश एवं कलेक्टर दीपक आर्य के आदेश के तत्काल पश्चात जिले में धार्मिक स्थलों से ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं लाउडस्पीकर हटाने एवं मांस, मछली की दुकानों पर कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी परिप्रेक्ष्य में सोमवार को सागर एसडीएम विजय डेहरिया द्वारा शांति समिति की बैठक के बाद धार्मिक स्थलों से लाउड स्पीकर हटाने की कार्यवाही की गई। सोमवार को शुक्रवारी जमा मस्जिद, तकिया मस्जिद सहित अन्य धार्मिक स्थलों से लाउड स्पीकर हटाने की कार्यवाही की, जो की निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार मांस, मछली की दुकानें जो कि बगैर पंजीयन की चल रही है उन पर भी कार्रवाई की जा रही है।

शासकीय विद्यालय के बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है आवश्यकता है उनको उभारने की : महापौर

सागर, देशबन्धु। सागर में आयोजित अनुगूंज कार्यक्रम में जिले की शासकीय विद्यालयों के छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें मुख्य अतिथि महापौर संगीता तिवारी ने कहा कि शासकीय विद्यालय के बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है आवश्यकता है उनको निकालने की और आगे बढ़ाने की। शासन के द्वारा लगातार छात्र-छात्राओं की हित के लिए प्रयास किया जा रहे हैं। इसी कड़ी में उनकी प्रतिभा को निकालने के लिए यह अनुगुंज कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसमें शासकीय विद्यालयों की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लेकर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया है। जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत ने कहा कि शासन के द्वारा लगातार शासकीय विद्यालय में समस्त संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जहां निजी विद्यालयों की तर्ज पर सीएम राइज विद्यालय तैयार किये जा रहे हैं और विद्यार्थियों की प्रतिमा को निकालने के लिए यह अनुगुंज कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों द्वारा अपना प्रतिभा का कौशल दिख रही है। कलेक्टर दीपक आर्य ने कहा कि अनुगुंज कार्यक्रम के माध्यम से शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की प्रतिभा का प्रमोशन हो तब अपना प्रदर्शन राष्ट्रीय स्तर पर करके अपने जिले का नाम रोशन करेंगे। कोई भी काम संभव नहीं होता केवल आवश्यकता होती है उसको सही मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देश की उसको यदि सही समय पर सब कुछ मिलते रहे तो वह हमेशा सफल होगा। जिले के शासकीय विद्यालयों में जो आज कम संसाधन होने के बाद भी इतना अच्छा प्रदर्शन किया है अवश्य ही सराहनीय है। कलेक्टर ने रवि शंकर कन्या उच्च. माध्य. विद्यालय की छात्राओं द्वारा बनाई गई रंगोली एवं अन्य विधाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों द्वारा छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ सर्वांगीण विकास के कार्य किया जा रहे हैं। इसी प्रकार के कार्य सभी विद्यालय में हो। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं प्राचार्य डॉ. महेंद्र प्रताप तिवारी ने बताया कि शासन के द्वारा अनुगुंज कार्यक्रम की जो पहल की गई है इससे शासकीय विद्यालयों के छात्राओं में भारी उत्साह का वातावरण है और उनकी प्रतिभा को निकालने का उनको मौका मिला है। अनुगुंज कार्यक्रम में दूरदर्शन कलाकार हरगोविंद विश्व, गजाधर सागर, देवी शरण सकवार, प्रमिला सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम से जुड़े कलाकार मौजूद रहे।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली** * प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन**- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।